संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 85 शनिवार 25 जनवरी 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

सुबह से तीन बार कांपी उत्तरकाशी

घरों से बाहर निकलकर भागे लोग

उत्तराखंड,24 जनवरी 2025(ए)। उत्तरकाशी और आसपास के इलाकों में शुक्रवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई और वे घरों से बाहर निकल आए। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सभी तहसीलों से जानकारी एकत्र की जा रही है। पहली बार सुबह करीब 7:42 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए, जिसके बाद वरुणावत पर्वत के भूस्खलन क्षेत्र से मलबा और पत्थर गिरे। इसके बाद, 8:19 बजे पुनः भूकंप के झटके महसूस हुए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई। तीसरी बार भूकंप का अनुभव जनपद मुख्यालय में 10:59 बजे हुआ।

मंत्री के काफिले की कारें आपस में टकराईं

तेलंगाना,24 जनवरी 2025(ए)।सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी शुक्रवार को सूर्यपेट जिले में उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनके काफिले की कारें आपस में टकरा गईं। यह घटना गरिदेपल्ली के निकट उस समय घटी, जब मंत्री जनपहाड़ में उर्स समारोह में भाग लेने के लिए जा रहे थे। मंत्री की गाड़ी अचानक रुकने से हुई टक्कर में उनके काफिले की आठ कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। टक्कर के कारण सड़क पर जाम लग गया, जिसे पुलिस ने तुरंत खुलवा दिया और मंत्री के काफिले को रवाना किया।

सीबीएसई ने परीक्षा को लेकर जारी की गाइडलाइन

» 10वीं 12 वीं बोर्ड के परीक्षार्थी परीक्षा से पहले जानें ड्रेस कोड और क्या है बैन...

नई दिल्ली,24 जनवरी 2025(ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं को 15 फरवरी 2025 से शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सीबीएसई ने सभी स्कूलों से कहा है कि वे विद्यार्थियों को परीक्षा से पहले परीक्षा के नियम कायदे बताएं। सीबीएसई ने अपनी आधिकारिक घोषणा में कहा कि इतनी बड़ी परीक्षा को आयोजित करने के लिए सीबीएसई द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना आवश्यक है। बोर्ड ने कहा कि छात्रों के शैक्षणिक हित में निष्पक्ष परीक्षा होनी चाहिए। ऐसे में सीबीएसई की ओर से विस्तृत अनुचित साधन नियम तैयार किए गए हैं। यह जरूरी है कि परीक्षा शुरू होने से पहले बोर्ड एग्जाम में शामिल होने वाले सभी छात्रों को परीक्षा के नियमों और सीबीएसई द्वारा जारी निर्देशों के बारे में सूचित किया जाए।

सीबीएसई ने नोटिस में ड्रेस कोड भी बताया
- रेगुलर स्टूडेंट्स के लिए स्कूल यूनिफॉर्म
- प्राइवेट स्टूडेंट्स छात्रों के लिए : हल्के कपड़े

परीक्षा में क्या हैं बैन चीजें

- कोई भी स्टेशनरी उपकरण, जैसे पाठ्य सामग्री (लिखी या प्रिंटिंग), कागज के टुकड़े, पेन ड्राइव, लॉग टेबल (केंद्रों द्वारा प्रदान की जाती है), इलेक्ट्रॉनिक पेन या स्कैनर, आदि.
- कोई भी संचार उपकरण, जैसे ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, मोबाइल फोन, हेल्थ बैंड, स्मार्ट वॉच, पेजर, कैमरा, आदि
- अन्य आइटम जैसे वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, पाउच, आदि। नियमों के अनुसार, उपरोक्त वस्तुओं का उपयोग अनुचित साधनों श्रेणी में माना जाएगा और उन्हें सजा मिलेगी.

सीबीएसई ने कहा निम्न बातों को लेकर स्कूलों से अपेक्षा की जाती है-

- कृपया अनुचित साधनों को लेकर दिशानिर्देशों (गाइडलाइंस) और लगाए जा सकने वाले दंडों को पढ़ें.
- छात्रों को परीक्षा के तरीकों, नियमों और गलत करने पर सजा के बारे में जानकारी दें. उन्हें बताएं कि अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए और अफवाहों को फैलाना नहीं चाहिए.
- विद्यार्थियों के पेरेंट्स को भी परीक्षा नियमों और सजा के बारे में बताएं.
- परीक्षा के दिन विद्यार्थियों को याद दिलाएं कि वे परीक्षा केंद्र में कोई बैन वाली वस्तु नहीं ले जाएं.
- परीक्षा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को भी जानकारी दी जानी चाहिए

सीबीएसई ने सीसीटीवी नीति भी लागू की है, जिसके तहत प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक सहायक अधीक्षक, जिसे सीसीटीवी निगरानी कहा जाता है, सभी परीक्षा कक्षों या हॉलों को सीसीटीवी से लैस किया जाएगा. परीक्षा केंद्र में प्रवेश करनेके बाद, किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन सहित, को अपने पास रखना, उपयोग करना या उपयोग करने का प्रयास करना, जिसे कम्युनिकेशन डिवाइस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, अनुचित कार्य व नियमों के खिलाफ माना जाएगा.

परीक्षा में इन चीजों को ले जाने की अनुमति

- रेगुलर छात्रों के लिए एडमिट कार्ड और स्कूल पहचान पत्र
- निजी छात्रों के लिए एडमिट कार्ड और कोई भी सरकारी फोटो पहचान प्रमाण
- स्टेशनरी सामान, जैसे पारदर्शी पाउच, ज्यामिति या पेंसिल बॉक्स, नीला/रॉयल नीला स्याही/बॉल प्वाइंट/जेल पेन, स्केल, राइटिंग पैड, इरेज़र, और पारदर्शी पानी की बोतल
- मेट्रो कार्ड, बस पास, पैसे.

12 राज्यों में 200 टोल प्लाजा सॉफ्टवेयर के जरिए करते थे धोखाधड़ी

अब सामने आया कांग्रेस नेता का नाम,मचा हड़कंप

नई दिल्ली,24 जनवरी 2025(ए)। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टॉस्फ फोर्स यानी एसटीएफ ने देशभर के 200 से ज्यादा टोल प्लाजा पर सॉफ्टवेयर के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुलिसिया पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। ये जालसाज टोल नाकों पर एक सॉफ्टवेयर अपलोड कर बिना फास्ट टैग वाले वाहनों से करोड़ों की वसूली कर बंदरबांट की जा रही थी। ये सॉफ्टवेयर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तरह ही टोल पर्ची जनरेट करता था। इसमें मध्यप्रदेश के 6 टोल प्लाजा भी शामिल है। अब इस पूरे घोटाले में कांग्रेस

नेताओं का कनेक्शन भी सामने आया है। मध्यप्रदेश के 6 टोल नाकों में से 3 का ठेका वंशिका कंस्ट्रक्शन के पास है। ये कंपनी मध्यप्रदेश के कांग्रेसी नेता तेंदूखेड़ा के पूर्व विधायक संजय शर्मा की बेटी के नाम पर संचालित है। गढ़ा टोल का ठेका बंसल पाथवे, जंगवानी का कोरल और मोहतरा टोल का ठेका यूपी के पाठक ब्रदर्स द्वारा संचालित ए.के. कंस्ट्रक्शन के नाम पर है।

ये लोग हुए गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में आलोक कुमार सिंह (वाराणसी), मनीष मिश्रा (मध्य प्रदेश), और राजीव कुमार मिश्र (प्रयागराज) शामिल हैं। स्त्रास्त्र ने इनके पास से दो लैपटॉप, एक प्रिंटर, पांच मोबाइल फोन और एक कार बरामद की है। आरोपियों पर मिर्जापुर के लालगंज थाने में केस दर्ज किया गया है और जांच जारी है। गिरफ्तार आलोक कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि वह एमसीए किया है, उसे साफ्टवेयर बनाने की अच्छी जानकारी है। इसके पूर्व में टोल प्लाजा पर काम भी कर चुका है। इसके अलावा रिद्धि-सिद्धि कंपनी के साथ पूर्व में सावंत और सुखांत के साथ काम किया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा- 316(2), 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340 (2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कराया गया है।

16,000 कमाने वाले मिस्त्री को जीएसटी विभाग ने थमा दिया 1.96 करोड़ का डिमांड नोटिस

सामने आया बड़ा फर्जीवाड़ा

पाटन,24 जनवरी2025(ए)। गुजरात के पाटन जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मिस्त्री को 1.96 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। अहमदाबाद में मिस्त्री का काम करने वाले सुनील सथवारा, जिनकी मासिक आय महज 16-17 हजार रुपए है, बेंगलुरु जीएसटी विभाग से मिले इस नोटिस से सन्न रह गए। जांच में पता चला कि सुनील सथवारा के नाम पर 11 कंपनियां चल रही हैं, जो देश के विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार में पंजीकृत हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन कंपनियों के पंजीकरण के लिए सुनील के नकली आधार और पैन कार्ड का इस्तेमाल किया गया था। जब सुनील को टैक्स नोटिस मिला, तो उन्होंने एक वकील से संपर्क किया और दस्तावेजों की जांच कराई। जांच में फर्जी दस्तावेजों का खुलासा होने पर उन्होंने गृह विभाग और क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। सुनील का कहना है कि उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग करके एक संगठित गिरोह इस रैकेट को चला रहा है। इस मामले की जांच अब गांधीनगर सीआईडी क्राइम को सौंप दी गई है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इस रैकेट के पीछे कौन है, असली आरोपी कौन हैं और उनका मकसद क्या था। यह मामला फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और जीएसटी चोरी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है। यह घटना आम नागरिकों के दस्तावेजों की सुरक्षा और ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे को भी उजागर करती है।

अब कर्मचारी 65 वर्ष की उम्र में होंगे रिटायर

खुद सरकार ने किया ऐलान

भोपाल,24 जनवरी2025(ए)। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार राज्य के कर्मचारियों को आए दिन नई सौगातें दे रही है। इस बीच, अब आयुष विभाग में काम करने वाले सरकारी डॉक्टर्स के लिए मोहन सरकार ने नया ऐलान कर दिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में सोमवार को पं. खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान में

आयुर्वेद महापर्व 2025 के आयोजन में शिरकत करते हुए कहा कि अब आयुष विभाग के डॉक्टर 62 की बजाए 65 की उम्र में रिटायर होंगे। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग होम के लिए स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं जाना पड़ेगा। आयुष विभाग ही अनुमति देगा। इसके साथ ही उन्होंने आयुर्वेदिक इलाज की जमकर तारीफ की है।

बीजेपी नेता को एससी ने लगाई फटकार

पहुंचे थे टैक्स कटौती को लेकर

नई दिल्ली,24 जनवरी 2025(ए)। टीडीएस यानी टैक्स डिडक्ट एट सोर्स को चुनौती दे रही याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने से इनकार कर दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता भारतीय जनता पार्टी के नेता को हाईकोर्ट जाने के लिए कहा है। कोर्ट ने याचिका को बुरी तरह तैयार की गई भी बताया है। जनहित याचिका में कहा गया था कि टीडीएस के प्रावधानों के चलते सरकार की ओर से स्त्रोत पर कर जुटाने का दबाव लोगों पर पड़ता है। याचिका में आयकर अधिनियम के तहत स्रोत पर कर कटौती के ढांचे को खत्म करने का अनुरोध किया गया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया था। साथ ही कहा है कि इसे हर जगह लगाया जाता है।सीजेआई यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय को दिल्ली हाई कोर्ट जाने की अनुमति दी। पीठ ने कहा कि याचिका बहुत खराब तरीके से तैयार की गई है और इसे दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर किया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा, माफ कीजिए, हम इस पर विचार नहीं करेंगे... यह बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई है।

अमेजन के 7 गोदाम होंगे बंद

1700 नौकरियों पर गहराया संकट

मुंबई,24 जनवरी 2025(ए)। ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है।

अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा।

कॉलेज छात्र ने तीसरी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

हैदराबाद,24 जनवरी 2025(ए)। आंध्र प्रदेश के नारायण जूनियर कॉलेज में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के एक छात्र ने क्लास के बीच में उठकर कॉलेज बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

यह पूरी घटना कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का विवरण घटना सुबह 10:15 बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि छात्र अपनी क्लास के बीच में अचानक उठता है और बालकनी की ओर जाता है।वहां वह बालकनी की दीवार पर चढ़ता है और तीसरी मंजिल से छलांग लगा देता है। क्लास के अंदर से रिकॉर्ड हुए वीडियो में भी स्पष्ट दिखाई देता है कि छात्र कक्षा से उठकर सीधे बालकनी की ओर बढ़ता है और छलांग लगाकर अपनी जान दे देता है।

घटना के तुरंत बाद पूरे कॉलेज में हड़कंप मच गया। उसकी क्लास में मौजूद अन्य छात्र और शिक्षक तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, मृतक छात्र की पहचान श्री सत्यसाई जिले के बट्टेनपल्ली मंडल के रामपुरम गांव निवासी के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद कॉलेज प्रशासन ने घायल छात्र को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के विस्फोट में 5 कर्मचारियों की मौत

राहत-बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली,24 जनवरी 2025(ए)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले स्थित एक ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में शुक्रवार (24 जनवरी) को भयंकर विस्फोट की घटना सामने आई है। इस हादसे में अब तक 5 कर्मचारियों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य के घायल होने की खबर है। यह विस्फोट फैक्ट्री के आरके ब्रांच सेक्शन में हुआ। फैक्ट्री में हुए इस भयानक ब्लास्ट की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें भारी सामान और हथियारों के टुकड़े फैले हुए दिखाई दे रहे हैं। विस्फोट के बाद काले धुएं का गुबार आसमान में फैल गया, और फैक्ट्री में आग लगने की जानकारी भी मिल रही है, जिससे और भी लोगों के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई, और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटनास्थल पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और राहत टीमें मौजूद हैं।घायल कर्मचारियों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, इस समय फैक्ट्री में कुल 14 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से चार से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। भारतीय आयुध फैक्ट्री रक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है और यहां रक्षा संबंधित सामान का निर्माण होता है।

मां ने अपनी ही बेटी का कराया बलात्कार

मां को बेटी ने देखा था आपत्तिजनक हालत में

ठाणे,24 जनवरी 2025(ए)। ठाणे में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक 38 वर्षीय मां ने अपने 30 वर्षीय प्रेमी से अपनी नाबालिग बेटी का बलात्कार कराया है। पीड़िता ने अपनी मां और उसके प्रेमी को घर के अंदर आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। कासरवडावली थाने के एक पुलिस अधिकारी ने

गुरुवार को बताया कि एक महिला और उसके प्रेमी पर अपनी 15 वर्षीय बेटी से बलात्कार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। ये घटना 9 नवंबर, 2023 को हुई थी. पीड़िता ने मां और उसके प्रेमी को अश्लील हरकतें करते देख लिया था। इसके बाद आरोपी ने उसे जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी थी। उसकी मां ने उसका साथ दिया था। पीड़ित लड़की के पिता की शिकायत पर बुधवार को बीएनएस और पॉक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार, आपराधिक धमकी, मारपीट और अन्य अपराधों का मामला दर्ज किया गया है।. इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया कि इतने विलंब के बाद मामला क्यों दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

संपादकीय

हथियार की तरह प्रयोग की जा रही कैग रिपोर्ट

दिल्ली सरकार के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने के मुद्दे पर कदम खींचने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने संदेह उत्पन्न करने वाला कहा।भाजपा विधायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि आपको विधानसभा अध्यक्ष को तुरंत रिपोर्ट भेजनी थी। सदन पर इसकी चर्चा करनी थी। विधानसभाध्यक्ष का विशेषाधिकार है विधानसभा सत्र बुलाना। यह सवाल भी किया कि क्या अदालत विधानसभाध्यक्ष को ऐसा करने का निर्देश दे सकती है, जबकि चुनाव नजदीक हैं।हालांकि दिल्ली सरकार के वकील ने आरोप लगाया कि याचिका राजनीति से प्रेरित है, और उपराज्यपाल कार्यालय के रिपोर्ट को सार्वजनिक और समाचार-पत्रों से साझा करने की बात भी उठाई। कैग की रिपोर्ट के अनुसार शराब नीति की वजह से दिल्ली के राजस्व को दो हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कैग ऑडिट निकाय है, जिसे संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। अनुच्छेद 148 के मुताबिक कैग की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है।यह भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभागों और मंत्रालयों की पड़ताल करता है। इसकी रिपोर्ट विधानसभा और संसद में रखी जाती है। इसकी रिपोर्ट का असर इतना होता है कि इसके आधार पर 1989 में कांग्रेस सरकार को संयुक्त मोर्चा ने उखाड़ फेंका था। 2010 में स्पैक्ट्रम को लेकर कैग की रिपोर्ट पर 2जी आवंटन में धांधली के चलते सरकार को पौने दो लाख करोड़ रुपये के नुकसान का खुलासा हुआ था जिस पर मनमोहन सरकार को सीबीआई जांच का आदेश देना पड़ा था।शराब घोटाले को लेकर आप के वरिष्ठ नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे भी रहना पड़ा। हालांकि आम आदमी पार्टी रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए भाजपा पर इसे चुनावी मुद्दा बनाने का आरोप लगा रही है। लेकिन भाजपा ने इसे सुनहरा अवसर मान लपक लिया। हालांकि खुद मोदी सरकार कैग रिपोर्ट को लेकर कभी गंभीर नजर नहीं आई। दूसरे, उसने अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कभी उस तरह तवज्जो नहीं दी जैसी परंपरा रही है।उन्हें जानबूझ कर पंगु ही नहीं बनाया जाता रहा है, बल्कि विपक्ष भी उन्हें मुद्दों की तरह प्रयोग करने में विफल नजर आया है परंतु जैसा कि अपने यहां चुवानी दंगल में सब जायज बताया जाता है। कैग की यह रिपोर्ट हथियार की तरह प्रयोग की जा रही है। चुनाव संपन्न होने तक यह मुद्दा गरमाया रहने वाला है।

केजी से पीजी तक फ्री एजुकेशन और मुफ्त इलाज-कब साकार होगा यह सपना ?

वास्तविकता तो यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज जैसे बेसिक दायित्वों से लगभग सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। मुफ्त शिक्षा में कई तरह की शर्तें लगा दी गई हैं। सरकारी स्कूलों की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है

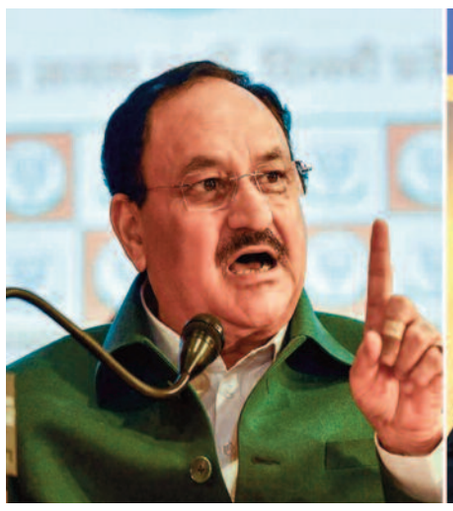

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर 21 जनवरी 2025 को जारी किए गए अपने दूसरे संकल्प पत्र में यह वादा किया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर पार्टी जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक फ्री शिक्षा देगी। इस पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर भाजपा मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज बंद कर देगी।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर देखा जाए तो फ्री एजुकेशन का यह मसला अपने आप में बहुत ही गंभीर मसला है और दुर्भाग्य से इस परिस्थिति के लिए इस देश के सभी राजनीतिक दल जिम्मेदार है। आज कोई भी राष्ट्रीय या बड़ा क्षेत्रीय दल सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाली के लिए अपने आपको जिम्मेदार से मुक्त नहीं बता सकता है क्योंकि लगभग सभी राजनीतिक दलों ने कभी न कभी सत्ता का सुख जरूर भोगा है। गठबंधन राजनीति के दौर में, देश की राजनीति में सक्रिय ज्यादातर राजनीतिक दल या तो केंद्र की सत्ता में भागीदार रहे हैं या किसी ना किसी राज्य में सरकार चला चुके हैं या वर्तमान में भी चला रहे हैं।

वास्तविकता तो यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज जैसे बेसिक दायित्वों से लगभग सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। मुफ्त शिक्षा में कई तरह की शर्तें लगा दी गई हैं। सरकारी स्कूलों की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में जब साइंस और मैथ्स जैसे विषयों के अध्यापकों की भारी कमी है तो देश के अन्य राज्यों के स्कूलों का अंदाजा आप लगा सकते हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में मिलने वाली ड्रेस की गुणवत्ता और किताबों पर लगातार सवाल उठते रहते हैं। एनसीईआरटी तो समय पर किताब छपवाना ही भूल गई है। मिड डे मील ने तो स्कूलों में पढ़ाई की हालत और ज्यादा खराब कर दी है लेकिन इसके विकल्प की भी कोई तलाश नहीं की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों की हालत भी कितनी दयनीय हो चुकी है, यह सब जानते हैं। दिल्ली के एम्स जैसे अस्पताल में भी ऑपरेशन की डेट कई-कई साल बाद मिलने की खबरें लगातार आती हैं। एम्स और सफदरजंग जैसे अस्पतालों के इर्द-गिर्द खुल चुके सैकडों प्राइवेट लैब्स यह बताने के लिए काफी है कि इन दोनों सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की आस में आने वाले लोगों को हजारों रुपए खर्च कर बाहर से ही जांच करवाना पड़ता है। सरकारी अस्पताल में पूरी दवाई मिल जाए, इसकी उम्मीद तो अब लोग वर्षों पहले ही छोड़ चुके हैं लेकिन अब उचित जांच और उचित इलाज की उम्मीद भी दम तोड़ती नजर आ रही है। जब दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की हालत इतनी खराब है तो आप देश के अन्य राज्यों के सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा का अंदाजा बखूबी लगा सकते हैं।

विडंबना देखिए कि, सरकारों ने इस बारे में अब सोचना तक छोड़ दिया है, कार्रवाई के बारे में तो भूल ही जाइए। आंकड़े बताते हैं कि देश में डॉक्टरों की बड़े पैमाने पर कमी है लेकिन एमबीबीएस जैसे बेसिक डॉक्टरी की पढ़ाई पर भी सरकार का फोकस नहीं है , जिससे इस कमी को दूर किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल 13 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा को क्वॉलिफाई किया था लेकिन देश में एमबीबीएस की सीटें एक लाख 8 हजार के लगभग ही है। इसमें से भी सरकारी सीटें सिर्फ 56 हजार के लगभग ही है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एक साल की फीस एक से डेढ़ करोड़ के बीच है यानी एमबीबीएस की चार सालों की पढ़ाई के लिए प्राइवेट कॉलेजों में 4 करोड़ से लेकर 6 करोड़ तक सिर्फ फीस ही देनी होगी। अब इसमें बाकी खर्चों को भी जोड़ लीजिए। सोचिए, इस हालत में भला मिडिल क्लास का कौन सा परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने के बारे में सोच सकता है ?

सरकारों ने लोगों को मुफ्त और उचित इलाज नहीं दे पाने की अपनी नाकामी को छिपाने के लिए बीमा योजनाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जिन योजनाओं का फायदा आम लोगों से ज्यादा प्राइवेट अस्पतालों को ही हो रहा है।

फ्री, फ्री और रेवड़ियों के इस दौर में सरकारों ने अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया है। यह अपने आप में सबसे बड़ी चिंता का विषय है। लेकिन कभी न कभी तो इस देश के बड़े तबके खासतौर से लाभार्थी वर्ग के लोगों को आगे बढ़कर सरकारों से और राजनीतिक दलों से यह कहना ही होगा कि, ÷आप हमें बेवकूफ बनाना बंद कीजिए। सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों की हालत ठीक कीजिए, सरकारी अस्पतालों की हालत ठीक कीजिए, अध्यापकों और डॉक्टरों की कमी को दूर कीजिए, बिना किसी भेदभाव के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में जाने वाले सभी लोगों के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था को हर कीमत पर और हर हाल में सुनिश्चित कीजिए।÷

-संतोष पाठक-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

महाकुंभ के दृश्य से पूरे देश आह्लादित

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम से महाकुंभ के दृश्य पूरे देश को आह्लादित कर रहे हैं। उन दृश्यों को देखने और वहां से निकल रहे वक्तव्यों से पूरे विश्व में फैले सनातनियों के अंदर इच्छा बलवती हो रही है कि एक बार प्रयागराज महाकुंभ जाकर पवित्र त्रिवेणी की डुबकी अवश्य लगाएं।तेरह जनवरी को बुधादित्य महायोग के दिन का आंकड़ा एक करोड़ 75 लाख तो 14 जनवरी को लगभग 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान करने का आया है। संपूर्ण विश्व आश्चर्यचकित हो इन दृश्यों को देख कर इसके पीछे की शक्ति और भावना को समझने की कोशिश कर रहा है। कल्पना करिए, बारह फरवरी तक जन समूह की संख्या कितनी पहुंच जाएगी। मोटा-मोटी आकलन है कि लगभग 40 करोड़ लोग देश-विदेश से प्रयागराज महाकुंभ पहुंचेंगे।भगवा की बहुतायत लेकिन प्रकृति में उपस्थिति हर रंग की ध्वजाएं, पताकाएं और कवेश पहने साधु-संत, गांव-घर के आम देशी-विदेशी जन ने ऐसा विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया है जिसका वर्णन आसान नहीं है। लगातार बजते घड़ी-घंटाल, शंखों की गूंजती ध्वनि, मंत्रोच्चार, 24 घंटे पवित्र गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करते असंख्य लोग, यज्ञशालाओं से निकलते हवनकुंड की अग्नि के सुगंध और भजन-कीर्तन के साथ प्रवचनों की ध्वनियों और ऊपर आकाश से हेलीकॉप्टरों द्वारा पुष्प वष्रा से निर्मित वातावरण और वहां जाने वालों के चेहरों के भावों को शब्दों से वर्णित नहीं किया जा सकता। हालांकि इसके सूक्ष्म प्रभावों को न समझने वाले शब्दातीत, वर्णनातीत आदि शब्दावलियों को अतिवादी कह सकते हैं किंतु सच यही है।केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ लोगों की रिकॉर्ड उपस्थिति का आकलन करते हुए हरसंभव व्यवस्था की है। पूरे कुंभ नगर का विस्तार 4000 हेक्टेयर करके 25 सेक्टरों में बांटा गया, डेढ़ लाख से अधिक टेंट लगाए गए, 44 घाटों पर स्नान की व्यवस्था हुई जो 12 किमी. लंबाई में फैली है। 102 पार्किंग बनाए गए हैं, जिनमें साढ़े 5 लाख गाडियां खड़ी हो सकती हैं। कुल 45 दिनों में रेलवे, हवाईजहाज, राज्य सरकार की बसें, शटल बसें आदि की रिकार्ड संख्या विस्तारित की गई है। समाज में विचार, व्यवहार, कर्मकांड आदि के बीच विरोधाभास, विविधताएं या विभाजन कोई आज नहीं, सदियों से है।जरा सोचिए, महान ऋषि-मुनियों ने किस तरह समय-समय पर इन सबको समन्वित करते हुए संपूर्ण ब्रह्मांड या मानव, जीव-अजीव, सबके कल्याण का भाव पैदा करने के महान अवसरों की दिव्य परंपराएं स्थापित कीं। जिस तरह प्रकट दिखती गंगा-यमुना और अमूर्त सरस्वती का संगम है, उसी को साकार करता जनसमूह अलग-अलग विचारधाराओं, पंथों, मतों, भाषाओं, क्षेत्रों, रंग-रूपों, जातियों, संप्रदायों, सब वहां जाकर वाकई एक हो जा रहे हैं। न कोई भेद, न दूरी और कोई किसी से उसकी जाति-नस्ल-पंथ-संप्रदाय स्वयं को दूर करने या भेद करने की दृष्टि से पूछता भी नहीं। उत्सुकतावश जानकारी के लिए पूछते और एक दूसरे से परिचय करते हैं। इस तरह से देखा जाए तो महाकुंभ संपूर्ण विश्व के जन-जन को एक करने यानी मातृभूमि पुत्रोअहम पृथिव्या की अथर्ववेद की अवधारणा को साकार करने का पर्व है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो प्रयागराज को तीर्थराज कहा गया है और यह निर्वाण की भूमि मानी गई है। पुरु षार्थ चातुष्ट्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों का विपुल भंडार। माना गया है कि यहां आने से सब खुल जाते हैं और त्रिवेणी के तट से अंतर्मन के सारे विकार, क्लेश, दोष मिट जाते हैं। मूल बात है संगम और कुंभ के भाव को समाहित करने की। वह वहां तो साकार दिखता है। जैसा आप जानते हैं कुंभ के हमारे यहां अनेक अर्थ हैं। कुंभ अमृत कलश माना गया है।वेदांत में कुंभ घटा आकाश यानी हृदय एक कुंभ है, कुंभ एक राशि है, इस कुंभ के भाव में गंगा और शिव समाहित हैं। हमारे देश में अंग्रेजों के समय से कथित इतिहासकारों ने भारत और सनातन की सारी परंपराओं, प्रथाओं, पवरे, त्योहारों, पावन अवसरों के अतीत को तिथियों में देखने और अपनी अज्ञानता प्रदर्शन करने की ऐसी नींव डाली कि अकादमी क्षेत्र में कोई भी विषय अविवादित रहा ही नहीं। किसी की तिथि मान्य नहीं, उम्र मान्य नहीं किंतु जनमानस के लिए संगम का आरंभ कब से हुआ, किसने किया, किस काल में था इनके न कोई अर्थ थे, न हैं, और न आगे होंगे। यह हमारे महान पूर्वजों के दिए गए संस्कार और चरित्र हैं, जिनने आज तक ऐसी राजनीतिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक, आर्थिक व्यवस्थाओं और ढांचों की प्रतिकूलताओं से परे किसी न किसी रूप में मौलिकता के साथ भी इन सबको कायम रखा है। सच कहा जाए तो यही हमारी अंतर्शक्ति है, जिस पर भारत विश्व के लिए आदर्श और दिशा देने वाला देश बन सकता है।संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो गई है। ऐसा नहीं है कि राजनीतिक सत्ता हमारे धर्म, कर्मकांड आदि के रास्ते निर्धारित करती हैं किंतु अगर उन्हें इसकी समझ है या वे इसके ज्ञानियों से समझने की कोशिश करते हैं, तो अनुकूलताएं निर्मित होती हैं, व्यवस्थाएं खड़ी होती हैं, उसके अनुरूप आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती हैं, जिनसे ऐसे अवसरों पर संत-महात्मा, साधु-संन्यासी, विद्वतजन, आम श्रद्धालु सभी अपने कर्म करने में सहजता महसूस करते हैं।इनसे महाकुंभ जैसे आयोजन अपनी संपूर्णता में प्रकट होते हैं। इसी मायने में मोदी सरकार और योगी सरकार पूर्व की सरकारों से गुणात्मक रूप से भिन्न प्रमाणित हो रही हैं। इतने विशाल और लंबे आयोजन की दृष्टि से कोई भी व्यवस्था संपूर्ण या आदर्श नहीं हो सकती। महाकुंभ जैसे आयोजन में बगैर कुछ बोले संपूर्ण विश्व में संदेश जा रहा है कि कैसे एक साथ इतनी बड़ी संख्या में अलग-अलग पंथ, संप्रदाय, जिनके बीच घोर मतभेद और कुछ के मध्य संघर्ष रहे हैं, सब इकट्ठे होकर आत्मोद्धार, समाज और विश्व कल्याण के भाव से संगम में स्नान-यज्ञ आदि कर रहे हैं। यह भी स्थापित हो रहा है कि यह प्राचीन सभ्यता और महान विरासत के ठोस आधारों पर खड़ा आधुनिकतम सोच और व्यवस्थाओं से सामंजस्य बिठाने वाला परिपूर्ण देश है।

-अवधेश कुमार-

बेटियां भी बेटों से कम नहीं

बेटिया घर की शान होती है, बेटियां माता-पिता का अभिमान होती है। अपने बुलंद हौसलों के साथ आज की बेटी हर क्षेत्र में अपने परिवार, अपने राज्य, अपने प्रदेश और अपने देश का नाम रौशन कर रही। चाहे देश हो या विदेश आज बेटियां हर जगह अपनी कामयाबी का पताका फहरा रही है।प्रति वर्ष 24 जनवरी को बालिकाओं को सम्मान देने और बालिकाओं के प्रति समाज का नजरिया बदलने, कन्या भ्रूण हत्या को कम करने और घटते लिंगानुपात के बारे में जागरूकता पैदा करने के उददेश्य से राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।आज बिटिया के जन्म लेने पर एक पिता घबराता नहीं है, न ही शोक मनाता है बल्कि उसके जन्म लेने पर घर-परिवार, मोहल्ले में मिठाईयां बंटवाता है। क्योकि वह जानता है कि एक दिन बडे होकर यही बेटी उनको गौरवान्वित महसूस कराएगी। उनका समाज में मान-सम्मान बडाएगी। जितनी खुशी माता-पिता को बेटे के जन्म लेने पर होती है आज के समय उतनी या कहे उससे ज्यादा खुशी बेटी के जन्म लेने पर माता-पिता को होती है। कहा जा सकता है कि आज हमारे समाज में देर से ही सही पर धीरे-धीरे बेटियों के प्रति उनकी मानसिकता एवं नजरिए में बदलाव आ रहा है। इस बदलाव को समाज में व्यापक स्तर पर सकारात्मक रूप से स्वीकृति मिली है। यही कारण है कि आज खेल जगत हो या तकनीकी क्षेत्र या शासकीय क्षेत्र हो हर जगह बेटियां अपना खूब नाम कमा रही है। निश्चित ही यह हमारे देश-विदेश के कुशल नेतृकर्ता एवं दूरगामी सोच रखने वाले प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों का ही परिणाम है।शासन-प्रशासन की बेटियों के लिए उठाई गयी विभिन्न पहले आज बेटियों के लिए सार्थक सिद्ध हुई हैं। चाहे बेटी बचाओं-बेटी पढाओं हो या सुकन्या समृद्धि योजना हो, लाडली लक्ष्मी योजना हो, लाडो अभियान हो सभी अनूठी पहलों से बच्चियों के जीवन पर सकारात्क प्रभाव पडा है। एक अच्छे नागरिक होने के नाते हमारा भी दायित्व बनता है कि राष्ट्रीय बालिका दिवस को ज्यादा से ज्यादा लोग व्यापक स्तर पर हर्षोल्लास के साथ मनाए और बेटियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण में सकारात्मक सोच और अधिक विकसित करने में अपना सहयोग दें। क्योकि आपकी एक पहल पूरे समाज, पूरे देश की बेटियों का भविष्य संवार सकती है। इसलिए संकल्पित होकर बेटियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने एंव समाज का उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण सृजन करने में आगे आएं और अपना कर्तव्य निभाएं।

-सुश्री निहारिका मीना-

देश में शहरों का भू-रिकॉर्ड

मनुस्मृति में राजाओं द्वारा भू-राजस्व संग्रह के उल्लेख से लेकर शेरशाह और मुगल काल में राजा टोडरमलन द्वारा विकसित भू-अभिलेख प्रणाली, ब्रिटिश काल के दौरान विकसित भूमाप प्रणाली और स्वतंत्रता के बाद विकसित भू-अभिलेख व्यवस्था के बाद से भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में अब पूर्णतया डिजिटल भू-रिकॉर्ड और मानचित्रण तक पहुंचने की लंबी यात्रा तय कर ली है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु तथा कुछ अन्य शहरों को छोड़कर भारत में शहरी भू-अभिलेख नहीं रखे जाते। अधिकांश रूप से उप पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत संपत्ति का खरीद-बिक्री का ब्यौरा ही शहरी भू-अभिलेख का एकमात्र साधन है। पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत कार्य करने वाले उप रजिस्ट्रार विक्रेता की जानकारी रखने के कुछ उचित उपाय करते हैं, लेकिन उन्हें उन सभी दस्तावेजों को पंजीकृत करना चाहिए जो उनके सामने प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकारी भू-अभिलेखों के अभाव में शहरी भूमि संपत्ति के मामलों में धोखाधड़ी और विवाद की आशंका बनी रहती है।भारत में तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे महानगरीय बस्तियों के आस-पास के गैर-शहरी इलाके (पेरी-अर्बन) में निजी डेवलपर्स कृषि भूमि को लेकर उन्हें कॉलोनियों में बदल रहे हैं। इन कॉलोनियों को स्थानीय अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध अनुमोदन के साथ या उसके बिना ही विकसित किया जा रहा है। अनधिकृत कॉलोनियों में एक ही प्लॉट की कई बार बिक्री के बहुत सारे मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी भूमि अभिलेखों के ना रहने से महंगी शहरी भूमि के मामले में अनिश्चितता, जोखिम, क्रेताओं को अनावश्यक परेशानी और मुकदमेबाजी होती है।ड्रोन आधारित हवाई इमेजरीङ्क सिटी सर्वेकंप्यूटरकृत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से ड्रोन/विमान के माध्यम से 5 सेमी की सटीकता से अब भू-मानचित्र 2 लाख रुपये प्रति किमी 2 की उचित लागत पर 2-4 महीने की अवधि में तैयार किया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों को ऐसे मानचित्रों का जमीनी सत्यापन करने और स्वामित्व दस्तावेजों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। नगरपालिका संपत्ति कर डेटा स्वामित्व पर प्रारंभिक जानकारी प्रदान करता है। व्यक्तिगत भूखंड और मालिकाना विवरण के साथ विस्तृत नक्शे प्रकाशित करने के उपरांत, सार्वजनिक आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं।शहर के सर्वेक्षण का कठिन हिस्सा जमीनी स्तर पर इनकी पहचान करना और स्वामित्व दस्तावेजों को प्रमाणित करना है। जमीनी सत्यापन के लिए बड़ी संख्या में टीमों को शामिल करने की आवश्यकता पड़ती है जिनमें सर्वेक्षक और सरकारी अधिकारी होते हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित नगर सर्वेक्षण में भी वास्तविक कब्जे वाली भूमि और अधिकार दस्तावेज के बीच अंतर पाया गया है। जीआईएस आधारित मापों की उच्च स्तरीय सटीकता में 5 प्रतिशत तक अंतर होता है। नए रिकॉर्ड में उनके कब्जे में कम भूमि दिखने के कारण भू-मालिक आपत्ति दर्ज करते हैं। इसके अतिरिक्त कई मामलों में भू-स्वामित्व स्पष्ट नहीं होता या इस पर विवाद रहता है। शहरी भू-सर्वेक्षण में बड़ी जनशक्ति लगती है और भूमि स्वामित्व संबंधी आपत्तियों के सावधानीपूर्वक निपटान की आवश्यकता पड़ती है। राज्य सरकार की ओर से इसके लिए व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) ने एक वर्ष में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 152 शहरों में नक्शा (एनएकेएसएचए) नामक शहर सर्वेक्षण पायलट कार्यक्रम आरंभ किया है। इसके बाद अगले चरण में 1000 शहरों में यह सर्वेक्षण किया जाएगा और 5 वर्षों में सभी 4912 शहरों में यह योजना चलाई जाएगी।शहरी भूमि रिकॉर्ड और शहर के सर्वेक्षण से प्राप्त नक्शे नागरिकों को अधिकार प्रदान करते हैं। अन्य संबंधित डेटा जैसे मालिक/किरायेदार परिवार का विवरण, संपत्ति कर, भवन योजना अनुमोदन, बिजली, पानी और गैस को भी इसी आधार पर समेकित किया जा सकता है। इससे नागरिकों के जीवन में सुगमता आएगी और विभिन्न स्थानीय सरकारी एजेंसियों को उनके कार्य में सुविधा होगी।शहरी नियोजन और संपत्ति कर कई कैमरों के साथ, शहरों की त्रिआयामी छवि और डिजिटल ट्विन उत्पन्न होते हैं। इनका उपयोग बेहतर संपत्ति कर मूल्यांकन और शहरी नियोजन के लिए किया जा सकता है। लेजर आधारित लिडार इमेजिंग ऊंचाई मानचित्रण प्रदान करती है जो शहरों में तूफान/बाढ़ के पानी की निकासी और आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने लिए बेहतर डिजाइन बनाने में सहायक होती है। यह परिवहन योजना, सड़क विकास, ढांचागत विकास के लिए भूमि अधिग्रहण और शहरी नियोजन के अन्य पहलुओं को सुगम बनाता है। भारत के कई शहरों में ड्रोन से चित्र लिए गए हैं, लेकिन शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) में क्षमता की कमी से उनका इन उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया गया है। राज्यों और यूएलबी को जीआईएस प्रौद्योगिकियों और शहरी नियोजन में निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता लेने की आवश्यकता है। दस लाख की आबादी वाले शहर में इन कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि 5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं लगेगी। यह गहन प्रयास है जिसमें धन का इतना महत्व नहीं है। भारत अगले 5 वर्षों में हवाई इमेजरी के सरल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शहरी भूमि रिकॉर्ड सुव्यवस्थित करने, संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन और शहरी नियोजन समाधान तथा बाढ़ शमन उपायों को विकसित करना चाहता है।

-मनोज जोशी-

कविता
मेरी मंजिलें अभी बाकी है

घटती-घटना

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

मेरी मंजिले अभी बाकी है
आंखों ने सपने जो देखे हैं
उसे पूरा करना बाकी है
मैं ठहरु भी तो ठहरू कैसे?
मेरी मंजिले अभी बाकी है।
माना मुश्किल है यह डगर
डगर पर चलना बाकी है
मैं रुकूं भी तो रुकूं कैसे?
मेरी मंजिले अभी बाकी है।
जीवन में कई बार हारा हूँ
फिर भी उम्मीद बाकी है
मैं हार मानू तो मानू कैसे?
मेरी मंजिले अभी बाकी है।
मेरी कमजोरी पर जो हंसते हैं
उसे कुछकर दिखाना बाकी है
खुद को कमजोर मानू कैसे?
मेरी मंजिले अभी बाकी है।
राह की ठोकरों से क्या घबराना
चट्टानों से टकराना बाकी है
तूफानों से डरकर रुकूं कैसे?
मेरी मंजिले अभी बाकी है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

C M Y K

रोहतक गिरोह को बुलाने वाले शहर के दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर के दो युवकों के कहने पर रोहतक गिरोह अंबिकापुर आकर अपना आतंक जमाना चाह रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने मार्बल व्यवसायी से 10 लाख 78 हजार रुपए भी डरा धमका कर ले लिया था। बाइक लूट के मामले में पुलिस ने गैंग के 5 सदस्यों को दिसंबर 2024 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं इन्हें छुड़ाने आए गैंग के 4 अन्य सदस्यों को 4 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। वहीं बदमाशों को अंबिकापुर बुलाने व सहयोग करने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने दो स्थानीय युवक को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

शहर के बाबूपारा निवासी 18 वर्षीय आर्यन मुखर्जी पिता हरिशचंद्र मुखर्जी द्वारा हरियाणा के रोहतक से बाहूबल से जमीन पर कब्जा दिलाने समेत बड़े कारोबारियों को धमकी देकर रुपए वसूली के लिए गैंग बुलाया गया था। इस पर गैंग के 5 सदस्य विजय लोहार 27 वर्ष, अमित कुमार 35 वर्ष, सागर पहलवान 22 वर्ष, अभिषेक सिंधु 30 वर्ष व अजमेर खान 24 वर्ष अंबिकापुर आए थे। आर्यन ने अपने दोस्त शहर के अग्रसेन वार्ड

निवासी साहिल गोयल पिता मनोज गोयल 20 वर्ष के साथ आरोपियों की मदद शुरु की थी। दिसंबर 2024 के पहले सप्ताह में गैंग के सदस्यों ने सीतापुर थाना क्षेत्र में पिस्टल की नोंक पर युवक से बाइक लूट ली थी। वहीं 16 दिसंबर को शहर के मार्बल व्यवसायी शेखर अग्रवाल को जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की मांग की थी। आरोपियों के भय से 17 दिसंबर को व्यवसायी ने 10 लाख 78 हजार रुपए उन्हें दिए थे। इसकी शिकायत भी उसने पुलिस से नहीं की थी। इसी बीच बाइक लूट के मामले में सीतापुर पुलिस ने पांचों को गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पांचों के जेल चले जाने के बाद हरियाणा के रोहतक से गैंग के 4 और सदस्य उन्हें जेल से छुड़ाने के नाम पर अंबिकापुर आए थे। जेल में बंद गैंग के सदस्यों से वे मिले थे। इस पर उन्होंने मार्बल व्यवसायी का नाम बताते हुए कहा था कि धमकी देने पर वह उन्हें और रुपए दे सकता है। इसके बाद 2 जनवरी को इन चारों ने मार्बल व्यवसायी शेखर अग्रवाल को जान से मारने की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगे थे। इसकी रिपोर्ट व्यवसायी ने गांधीनगर थाने में दर्ज करा दी थी। इसके बाद पुलिस ने गैंग के चारों सदस्यों को उदयपुर इलाके से चारपहिया वाहन समेत गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा के रोहतक निवासी अजय 23 वर्ष, सोनीपत निवासी मन्नु लोहार 27 वर्ष, राहत निवासी मनीष सिंह उर्फ बाबा 27 वर्ष व प्रवीण पांचाल 40 वर्ष शामिल थे। पुलिस ने इन्हें भी जेल भेज दिया था। गैंग को बुलाने व वसूली में उनका साथ देने वाले आर्यन मुखर्जी व साहिल गोयल को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आर्यन के कहने पर ही गैंग अंबिकापुर आया था। उन्होंने बताया कि बाइक लूट की घटना से कुछ दिनों पूर्व अंबिकापुर-जबलपुर ट्रेन से शहडोल जाने के दौरान आरोपी आर्यन की मुलाकात गैंग के सदस्य हरियाणा के रोहतक निवासी विजय लोहार से हुई थी। बातचीत के दौरान विजय लोहार ने आर्यन से कहा था कि वह बाहूबल के दम पर जमीन पर कब्जा दिला सकता है। इस पर आर्यन ने उसे अंबिकापुर में गैंग लाने के लिए राजी किया था। जब विजय लोहार गैंग लेकर यहां पहुंचा तो आर्यन ने अपने दोस्त साहिल के साथ मिलकर उन्हें जानकारी देनी शुरु की थी। पुलिस ने बताया कि आर्यन व साहिल ने ही रोहतक गैंग के सदस्यों को शहर के मनेंद्रगढ़ मार्ग निवासी रवि मार्बल के संचालक शेखर अग्रवाल का नाम बताया था। उन्होंने ही उसके संस्थान की फोटो व पूरे पते की जानकारी दी थी। इसके बाद आरोपियों ने उसे डरा-धमकाकर 10 लाख 78 हजार रुपए वसूले थे। वहीं आर्यन व साहिल ने उन्हें बड़े कारोबारियों के पुत्रों का अपहरण कर फिरौती वसूली करने कहा था, लेकिन गैंग के सदस्यों ने इससे इनकार कर दिया था।

राष्ट्रीय स्तरीय स्पेशल जम्बुरी में सरगुजा के 9 गाइड्स होंगे शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा स्काउटिंग के 75वीं वर्षगांठ पूर्ण होने पर तमिलनाडु प्रदेश के त्रिची में डायमंड जुबली राष्ट्रीय स्तरीय स्पेशल जम्बुरी का आयोजन 28 जनवरी से 3 फरवरी तक किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन कमिश्नर सरगुजा अशोक सिन्हा ने बताया कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ- सरगुजा से 9 सदस्यीय दल इस स्पेशल जम्बुरी शिविर में जिले से भाग ले रहे हैं। जिसमें विक्टोरिया पब्लिक स्कूल से राज बारी, अक्षत सिंह, होली क्रॉस स्कूल हिंदी माध्यम से शालिनी दास, ज्योति मंडल, विवेकानंद विद्या निकेतन से नैतिक सिंह, सुशील मानिकपुरी, एसडी शोभना, दीपिका एवं जिला प्रभारी के रूप में शासकीय स्कूल कुंदीकाला लुंड्रा से हरी प्रसाद राजवाड़े शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जम्बुरी में शामिल सभी प्रतिभागियों को जम्बुरी जाने से पूर्व वहां की जानकारी एवं सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी।

रायपुर में होगा राज्य स्तरीय पूर्वाभ्यास

जिला संगठन आयुक्त सरगुजा ने बताया कि इस जम्बुरी कि तैयारियों हेतु प्रदेश स्तर पर राज्य मुख्यालय रायपुर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा 24 एवं 25 जनवरी को राज्य स्तरीय जम्बुरी पूर्वाभ्यास शिविर का आयोजन रायपुर में किया जा रहा है। जहां जम्बुरी संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण की जायेगी। इस जम्बुरी में देश एवं विदेश से लगभग 40 हजार स्काउट्स गाइड्स रोवर्स, रेंजर्स एवं जम्बुरी स्टाफ शामिल होंगे। जहां देश की कलाकृति, संस्कृति, खान-पान, रहन सहन, बोली,भाषा, स्काउटिंग स्किल का आदान प्रदान सभी प्रतिभागी करेंगे।

एकलव्य विद्यालय भवन की ढ़लाई के दौरान मजदूर गिरा,मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। वाड्रफनगर में बन रहे एकलव्य विद्यालय भवन के ढ़लाई के दौरान गुरुवार की रात एक मजदूर दूसरे मंजिल से गिर गया और गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अली हुसैन अंसारी पिता सुलेमान उम्र 35 वर्ष झारखंड के गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर का रहने वाला था। वह 23 जनवरी को अन्य मजदूरों के साथ वाड्रफनगर में बन रहे एलव्य विद्यालय के दूसरे मंजिल की ढलाई करने गया था। ढलाई के दौरान रात करीब 8 बजे अचानक गिर गया और गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्कूटी शो-रूम में चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

स्कूटी शो-रूम में चोरी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के सामान भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दीपक अग्रवाल शहर के कुंडला सिटी थाना कोतवाली का रहने वाला है। इसका एमजी रोड में स्कूटी का शो रूम है। 17 जनवरी की रात को संचालक व कर्मचारी शो रूम बंदकर अपने-अपने घर चले गए थे। दूसरे दिन सुबह शो रूम खोला तो सामान बिखरा पड़ा था और अज्ञात व्यक्ति द्वारा बगल के निर्माणाधीन मकान के ऊपर चढ़कर शो रूम के अंदर घुसकर 1 नई स्कूटी, 11 नग सीसीटीवी कैमरा, कैमरे का डीबीआर सहित अन्य सामान व नकदी 25 सौ रुपए पार कर दिए थे। शो रूम संचालक ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दोरान पुलिस ने

आरोपी आकाश अग्रवाल उम्र 30 वर्ष निवासी ब्रम्ह रोड़ शीतला वार्ड थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दुकान से चोरी किया गया सामान कैमरा सेट, डीवीआर, 2 नग टीवी, 1 नग नया स्कूटी बरामद किया किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक गणेश कदम, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, राहुल सिंह, आनंद गुप्ता, अमित विश्वकर्मा बृजेश राय, अतुल सिंह, देवेंद्र पाठक सक्रिय रहे।

नाम निर्देशन का तीसरा दिन

पार्षद पद के लिए 2 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया दाखिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन शुक्रवार को नगर पालिक निगम अम्बिकापुर हेतु वार्ड पार्षदों के लिए 42 नामांकन पत्र क्रय किए गए। वहीं अभ्यर्थियों ने 2 पार्षद हेतु

नामांकन दाखिल किया है। वहीं नामांकन के तीसरे दिन किसी भी अभ्यर्थी द्वारा महापौर हेतु नामांकन पत्र क्रय या दाखिल नहीं किया गया है। वहीं नगर पंचायत लखनपुर में 2 अध्यक्ष एवं 14 पार्षद हेतु नामांकन पत्र क्रय किया गया है। जबकि 7 अभ्यर्थियों ने पार्षद हेतु नामांकन पत्र दाखिल किया है।

इसी प्रकार नगर पंचायत सीतापुर में 2 अध्यक्ष एवं 4 पार्षद हेतु नामांकन पत्र क्रय किए गए। वहीं किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया है।

वार्ड क्रमांक 28 के पार्षद पद के लिए कमेटी को भेजे गए नाम को मिली मंजूरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगरीय निकाय चुनाव के प्रारंभिक चरण में वार्ड क्रमांक 28 शहीद भगत सिंह वाई में वार्ड कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें पार्षद पद के चयन के लिए अंबिका सिंह देव को जिम्मेदारी मिली है। वहीं पार्षद पद के लिए रोशन कनौजिया का नाम सामने आया है। दिनों संभावित प्रत्याशियों के नामों को जिला कांग्रेसी कमेटी के समक्ष भेजा गया है। कमेटी द्वारा तय नाम फाइनल किया गया। जिसका सभी उपस्थितजनों ने समर्थन किया। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठजन सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शादी कराने का प्रलोभन देकर 1.43 धोखाधड़ी कर रुपए लेने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शादी कराने का प्रलोभन देकर सुनियोजित तरीके से 1 लाख 43 हजार रुपए धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपियों के खिलाफ गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ग्राम टडा थाना सानौधा जिला सागर (मप्र) निवासी वीरेंद्र दुबे ने गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मेरा भाई मुकेश दुबे व उसके साथी रामनरेश तिवारी जवाहर ऊर्फ सोनू ऊर्फ हल्लू एवं राहुल जैन का विवाह नहीं हुआ है। और वे तीनों विवाह के लिए लडक़ी की तलाश कर रहे थे। जिसमें शाहिद खान और राशिद खान भी मिलकर तीनों के लिए लडक़ी की तलाश कर रहे थे। तभी शाहिद खान निवासी पथरिया का सम्पर्क बृज निवासी अम्बिकापुर से हुआ था। यह बताया कि अम्बिकापुर के पास उसका कुछ लड़कियों से संपर्क है जिनसे विवाह के लिए रिश्ता करा सकता है। तब बृज के कहने पर मेरा भाई एवं उसके साथ जवाहर, राहुल, रामनरेश, राशिद खान, शाहिद खान, सभी 19 जनवरी को अम्बिकापुर आये और यहां पर बृज से मिलकर उसके साथ ग्राम दरिमा गए थे। जहां पर बृज के द्वारा तीन लड़कियों को शादि के लिए दिखाया गया और उन लड़कियों के साथ में भी कुछ लोग थे। तब दोनों पक्ष का शादी का बातचीत तय होने पर मुकेश एवं उसके साथियों द्वारा बोला गया कि रिति रिवाज से शादी करा दिजिए तब बृज बोला कि आपलोगों के घर तरफ जाकर शादी कराएंगे और फिर बृज सभी को लेकर वापस जाने अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा। रास्ते में लडकियों और उनके परिजनों के लिए 7 हजार 640 रुपए की खरीददारी करवाया और फिर वहां से सभी को लेकर रात लगभग 9 बजे अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा।

रुपए लेने के बाद भाग गए सभी

यहां वृज ने मुकेश व उसके दोस्तों से रुपए क मांग की। इनके द्वारा चार बार में फोन पे के माध्यम से 1 लाख 31 हजार दिया गया। इसके अलावा नकद 12 हजार रुपए दिया गया। कुल 1 लाख 43 हजार रुपए दिए थे। इसके बाद तीनों लड़कियों एवं उनके परिजनों को लेकर ट्रेन से जाने के लिए तैयारी में थे। तभी मौका पाकर वृज वहां से तीनों लड़कियों व उसके परिजन के साथ फरार हो गया। सुनियोजित तरीके से शादी कराने का प्रलोभन देकर 1.43 लाख रुपए धोखाधड़ी करने के मामले में मुकेश के भाई वीरेन्द्र ने गांधीनगर थाना में वृज व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3(5), 318(4), 61(1) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही है।

वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन कार्यक्रम में भाग लेंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत की रचना के 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 25 जनवरी को लखनपुर थाना के सामने

हाई स्कूल मैदान पर सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए आरएसएस सरगुजा के जिला संघ चालक भगवान दास अग्रवाल ने बताया कि एकल अभियान के विकासखंड में सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम का समय दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 तक रखा गया है ।

पिछले 5 साल में भूपेश बघेल ने खुद की कुर्सी बचाने छत्तीसगढ़ का पैसा गांधी परिवार के पास इन्वेस्ट किया : भारत सिंह सिसोदिया

» विष्णुदेव साय सरकार में पूरे भारत के लोग छत्तीसगढ़ की समृद्धि के लिए छत्तीसगढ़ में इन्वेस्ट कर रहे है : भारत सिंह सिसोदिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अभी हाल ही मुंबई में छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट का दूसरा चरण आयोजित हुआ। छत्तीसगढ़ में केवल गुरुवार को प्लास्टिक, कपड़ा, आईटी और खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों से 6,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए। प्रेसविज्ञप्ति के माध्यम से उपरोक्त जानकारी देते हुए भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अमेरिकी महावाणिज्य दूत माइक हैंकी और रूस के महावाणिज्य दूत इवान वाई फेटिसोव के साथ राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 का मूलतंत्र न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के आदर्श को दुनिया के सामने रख छत्तीसगढ़ को वाणिज्य और विनिर्माण के क्षेत्र में भारत के एक अभिन्न अंग के रूप में प्रदर्शित किया। राज्य की नई औद्योगिक नीति के लागू होने के बाद से छत्तीसगढ़ को रायपुर, दिल्ली और मुंबई में आयोजित इन बैठकों के माध्यम से एक लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । आगे उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश बढ़ाने हेतु भाजपा की सरकार ने कई नवीनतम कदम उठाए है। जहाँ कांग्रेस केवल राज्य और भारत को दशकों पहले के जंजाल में धकेलना चाहती है, वही यह भाजपा ही है जो छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ा रहा है। छत्तीसगढ़ को प्रगति की ओर अग्रसर करने के लिए और साथ ही प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए साय सरकार के कई कदम उठाए हैं जैसे -

अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया गया है, और अब मंजूरी एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से दी जाती है, जिससे निवेशकों को काफी राहत मिली है।

श्री सिसोदिया ने बताया कि बस्तर और सरगुजा के सैकड़ों एकड़ भूमि में नया औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने की योजना है। बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ क्षेत्रों में प्रोत्साहन के साथ-साथ लौह और कोयला रॉयल्टी पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की छूट शुरू की गई है। निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ के निवेश वाले या 1,000 लोगों को रोजगार देने वाले उद्योग बेस्पोक पॉलिसी के लिए पात्र है। इस पॉलिसी में 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक स्थायी पूंजी निवेश के प्रावधान शामिल हैं, जिनकी राशि 200 करोड़ से ?450 करोड़ के बीच है।

भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने राज्य में निवेश लाने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उनकी घोषणाओं और वादों की पोल खुल गई जब उन्होंने युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का झूठा वादा किया, जो आखिरकार पूरा नहीं हुआ। वो सरकार बस लोगों को बहलाने और झूठे वादों से गुमराह करने में लगी रही, जबकि राज्य के विकास के लिए कुछ भी ठोस काम नहीं हुआ।

आगे उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह पहल पूरी तरह से प्रगतिशील है, जो राज्य में निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ युवाओं की उम्मीदों को भी पूरा करेगी। पिछले बघेल सरकार ने युवाओं की आकांक्षाओं को कुचला था, लेकिन हमारी योजना में राज्य के विकास के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे। हम न केवल युवाओं के भविष्य को संवारेंगे, बल्कि राज्य की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेंगे, जो बघेल सरकार के समय में लगातार कमजोर होती गई।

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा चाहती है कि जनता गरीब बनी रहे ताकि उसका वोट बैंक सुरक्षित रहे। वह ग़रीबी हटाओ का नारा पचास वर्ष तक चलाती रही। वह उद्योग-धंधों के खिलाफ और नक्सलियों के पक्ष में है, इसलिए यह चिंता जता रही है कि नक्सल समाप्त होने पर उद्योग धंधे आयेंगे।

हूतियों के कब्जे वाले यमन में संयुक्त राष्ट्र की यात्राएं रद्द,हिरासत में लिए गए थे यूएन के कर्मचारी

दुबई,24 जनवरी 2025। संयुक्त राष्ट्र ने शुक्रवार को यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में सभी यात्राओं को टाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने यह फैसला हूतियों द्वारा अपने कर्मचारियों को हिरासत में लेने के बाद लिया है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि कल सना में हूतियों ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में काम कर रहे संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को हिरासत में लिया। अपने सभी कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने हूतियों के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में और उनके भीतर सभी आधिकारिक गतिविधियों को निलंबित कर दिया है।

पिछले दिनों हूती विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों के साथ-साथ अमेरिकी दूतावास और सहायता समूहों से जुड़े व्यक्तियों को हिरासत में लिया था। हालांकि हूतियों ने संयुक्त राष्ट्र के निर्णय को स्वीकार नहीं किया। यह निर्णय ऐसे वक्त में आया है जब हूती इस्राइल-हमास युद्ध विराम के बाद शिपिंग और इस्राइल पर अपने हमलों को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने हूती को बताया आतंकी संगठन

यमन के हूती विद्रोहियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आतंकी संगठन घोषित किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल में इस पहचान को हटा दिया था ताकि यमन के दशक पुराने युद्ध में शांति कायम की जा सके। हूती विद्रोहियों ने कहा कि यह पहचान फलस्तीनी लोगों के समर्थन और अमेरिकी प्रशासन के इस्राइल पक्षधरता को दिखाती है। ट्रंप के फैसले से विद्रोहियों के साथ नए तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

हूतियों ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वे लाल सागर गलियारे में जहाजों पर अपने हमलों को सीमित कर देंगे। साथ ही हूतियों ने नवंबर 2023 में जब्त किए गए गैलेक्सी लीडर के 25 सदस्यीय चालक दल को रिहा कर दिया। हूती विद्रोहियों ने इस्राइल के गाजा में हमलों के विरोध में ही लाल सागर इलाके में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों पर हमले शुरू किए थे।

जहाजों को जबरन अपने जलक्षेत्र में ले जाने की कोशिश कर रहे ईरानी, ब्रिटेन ने यात्रियों को चेताया

यरुशलम,24 जनवरी 2025। फारस की खाड़ी में समुद्री यात्रियों को ईरान की क्रांतिकारी गार्ड की तरफ से जहाजों को जबरदस्ती ईरानी जलक्षेत्र में लाने की कोशिशों पर सतर्क रहने के लिए चेतावनी दी गई है। हालांकि, ईरान का जहाजों को परेशान और जब्त करने का पुराना इतिहास है, हाल के समय में उसने सीधे ऐसे कई हमले नहीं किए हैं। इसके बजाय, नवंबर 2023 से ईरान समर्थित हूती विद्रोही जहाजों पर हमले कर रहे थे। लेकिन अब गाजा में हुए युद्धविराम के बाद इस अभियान में कमी आ रही है।

ब्रिटिश सैन्य केंद्र यूके मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने शुक्रवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया कि कई घटनाओं में जहाजों को रेडियो के माध्यम से चेतावनी दी गई। यूकेएमटीओ ने कहा कि यह ईरानी क्रांतिकारी गार्ड के बड़े पैमाने पर अभ्यास ग्रेट प्रोफेट का हिस्सा हो सकता है।

इस बीच, युद्धग्रस्त गाजा के उत्तर से विस्थापित फलस्तीनी लोग युद्धविराम के बाद अपने घरों की स्थिति जानने के लिए बेचैनी से इंतजार कर रहे हैं। दरअसल,गाजा के मध्य और दक्षिणी भागों में रहने वाले फलस्तीनी, युद्धग्रस्त उत्तर में अपने घरों की स्थिति देखने के लिए बेचैन हैं। गाजा पट्टी में युद्धविराम के समझौते की शर्तों के तहत उन्हें शनिवार से उत्तर की ओर जाने की अनुमति मिलेगी। इस दिन इस्राइली सैनिक एक महत्वपूर्ण सड़क से हटेंगे,और हमास चार इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा।

किम जोंग समझदार व्यक्ति,ट्रंप ने उत्तर कोरिया पर साफ किया रुख, जल्द बात करने की बात कही

वाशिंगटन,24 जनवरी 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में वापसे के साथ ही अपनी नीति और नीयत साफ कर दी है। इसके तहत उन्होंने रूस से लेकर उत्तर कोरिया तक से अमेरिका के संबंध पर खुलकर बातचीत की। साथ ही इन देशों के लिए सकारात्मक संदेश भी जारी किए, जो कि दुनियाभर के लिए चौकाने वाला था। इसी सिलसिले में राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई नेता किम जोंग के बारे में बात की। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान किम को स्मार्ट आदमी बताते हुए उत्तर कोरियाई यात्रा करने की बात पर सहमति जताई है।

इंटरव्यू में बातचीत के दौरान जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उत्तर कोरियाई नेता के साथ किम जोंग के साथ संबंध पर सवाल किए तो उन्होंने उन्हें स्मार्ट आदमी बताते हुए कहा कि वह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग से संपर्क करने वाले है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने किम के साथ अच्छा संबंध स्थापित किया है और किम धार्मिक कट्टरपंथी नहीं हैं।

चीन के साथ संबंध पर भी ट्रंप का स्टैंड

साथ ही ट्रंप ने चीन के साथ संबंध पर भी बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे राष्ट्रपति शी जिनपिंग बहुत पसंद हैं, मैं हमेशा से उन्हें पसंद करता रहा हूं। हमारे बीच हमेशा बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वुहान से कोविड-19 के आने के बाद अमेरिका और चीन के संबंध बहुत तनावपूर्ण थे...लेकिन इससे इतर हमारे बीच हमेशा बढ़िया संबंध रहे हैं। हम चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखने के अलावा साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करते हैं।

पुतिन को भी बताया था बुद्धिमान

क्या किम जोंग, क्या शी जिनपिंग ट्रंप, पुतिन से भी बिगड़ते रिश्ते को सुधारने की पहल करते हुए दिखें। जहां उन्होंने अपने बयान में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बुद्धिमान बताया था। उन्होंने मंगलवार को दोहराया कि उन्हें पुतिन से बहुत जल्द बात करने की उम्मीद है। ट्रंप ने एक बार फिर पुतिन से यूक्रेन पर लगभग तीन साल पुराने रूसी आक्रमण को रोकने का आह्वान किया। ट्रंप ने दावा किया कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो संघर्ष कभी नहीं होता।

युद्ध विराम समझौते के तहत चार बंधकों के नामों का इंतजार कर रहा है इस्राइल,जानें हमास कब करेगा रिहा ?

तेल अवीव, 24 जनवरी 2025। गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के रिश्तेदारों ने शुक्रवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से सभी बाकी बंधकों को मुक्त कराने का आह्वान किया, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी रिहाई के लिए दबाव बनाना जारी रखने की अपील की। जबकि इस्राइल और हमास के बीच छह हफ्ते के लिए लागू युद्धविराम अपने छठे दिन में प्रवेश कर गया, इस्राइलियों को अगले चार बंधकों के नामों का बेसब्री से इंतजार था, जिन्हें गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए 90 से अधिक लोगों में से रिहा किया जाएगा।

कितने बंधक जिंदा है इसकी कोई जानकारी नहीं

इस्राइल का मानना है कि गाजा में अभी भी 90 से अधिक बंधकों में से लगभग एक तिहाई या संभवतः आधे से अधिक की मौत हो गई है। हमास ने इस बारे में निश्चित जानकारी जारी नहीं की है कि कितने बंधक अभी भी जिंदा हैं या जो मर गए हैं उनके नाम क्या हैं। युद्धविराम समझौते के पहले चरण में, इस्राइल की तरफ से पकड़े गए सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों के बदले में 33 बंधकों को धीरे-धीरे रिहा किए जाने की उम्मीद है। पहले तीन इस्राइली बंधकों को रविवार को 90 फलस्तीनी कैदियों के बदले में रिहा किया गया। महीनों तक चले संघर्ष में गाजा में 47,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं।

शनिवार को चार इस्राइली और कई फलस्तीनियों की रिहाई

इस समझौते के अनुसार, शुक्रवार को हमास को शनिवार को रिहा किए जाने वाले अगले चार बंधकों के नामों की घोषणा करनी है, जिसके बाद इस्राइल भी एक सूची जारी करेगा कि किन फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। सौदे की शर्तों के तहत, गाजा में फलस्तीनियों को एन्क्लेव के उत्तर से दक्षिण की ओर अधिक स्वतंत्रता होगी। दक्षिणी क्षेत्र के नागरिकों को शनिवार से उत्तरी गाजा के लिए तटीय मार्ग से जाने की अनुमति दी जाएगी, जब इस्राइली सैनिकों के मुख्य मार्ग से हटने की उम्मीद है और हमास अगले चार इस्राइली बंधकों को रिहा करने वाला है।

बंधकों में लगभग 250 पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल थे, जिन्हें 7 अक्तूबर, 2023 को सीमा पार करके इस्राइल में घुसने वाले आतंकवादियों ने पकड़ लिया था। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, जिसके बाद गाजा में युद्ध छिड़ गया था। उस वर्ष नवंबर में एक संक्षिप्त युद्धविराम के दौरान लगभग 100 लोगों को रिहा कर दिया गया था, जबकि गाजा में लगभग तीन दर्जन बंधकों के शव बरामद किए गए हैं और सेना की तरफ से आठ बंधकों को बचाया गया है।

परिजन लगा रहे अपनों के वापसी की गुहार

वहीं बंधकों में से एक योनातन समेरानो की मां ऐलेट समेरानो ने अपील करते हुए कहा, प्रिय राष्ट्रपति ट्रंप, सबसे पहले हम इस हफ्ते महसूस किए गए खुशी के क्षणों के लिए आपको धन्यवाद कहना चाहते हैं। लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हमारे पास अभी भी 94 बंधक हैं, हमें उन सभी रिहाई चाहिए, कृपया रुकें नहीं। कृपया दबाव बनाना जारी रखें और सब कुछ करें ताकि सभी 94 बंधक तुरंत घर आ सकें। विकी कोहेन, जिनके बेटे निम्रोद कोहेन बंधकों में से एक हैं, ने कहा, इस हफ्ते हम माताओं को अपनी बेटियों को गले लगाते हुए देखकर भावुक हो गए, लेकिन यह सोचकर हमारा दिल टूट गया कि मेरा बेटा निम्रोद और अन्य लोग पीछे रह गए हैं, और हर दिन वे वहां रहते हैं, जिससे उनके जीवन को वास्तविक खतरा होता है। हम सभी को इस बात की चिंता है कि सौदा पूरी तरह से लागू नहीं होगा। सभी वरिष्ठ अधिकारी खुले तौर पर कहते हैं कि सौदे को रोकने का मतलब है पीछे रह गए लोगों के लिए मौत की सजा।

अमेरिका में जॉन रैटक्लिफ सीआईए प्रमुख नियुक्त; सीनेट ने रक्षा मंत्री के लिए पीट हेगसेथ का नाम आगे बढ़ाया

वॉशिंगटन, 24 जनवरी 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए मंत्रिमंडल में जॉन रैटक्लिफ को सीआईए निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने की मंजूरी दे दी है। इसी के साथ ट्रंप को अपने मंत्रिमंडल में दूसरा सदस्य मिल गया। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के तौर पर पहले कार्यकाल के दौरान रैटक्लिफ राष्ट्रीय खुफिया निदेशक थे।

पिछले सप्ताह सीनेट की सुनवाई में रैटक्लिफ ने कहा था,रूस और चीन से निपटने के लिए एआई जैसी तकनीक का इस्तेमाल करने के मामले में सीआईए को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। अमेरिका को अपनी खुफिया क्षमताओं में सुधार करने की जरूरत है, साथ ही उसे अमेरिकियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में गृह मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ का नाम को आगे बढ़ाया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने हेगसेथ पर लगे आरोपों और अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने में अनुभव की कमी को लेकर उनके नाम पर आपत्ति जताई। अलास्का की सीनेटर लीसा मुर्कोव्स्की और माइने की सीनेटर सुसान कोलिन्स ने उनके नाम का समर्थन करने से इनकार कर दिया। हेगसेथ पर शराब पीने और महिलाओं के प्रति आक्रमक व्यवहार करने का आरोप है।

हेगसेथ के नाम की पुष्टि के लिए 49 के मुकाबले 51 वोट पड़े। अंतिम वोट शुक्रवार को होने की उम्मीद है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने अपने सहयोगियों से हेगसेथ के नाम पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने पूछा, क्या हेगसेथ वह सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हैं जो विश्व की सबसे बड़ी सेना का नेतृत्व कर सकते हैं? अलास्का की सीनेटर लीसा मुर्कोव्स्की ने कहा,उनका (हेगसेथ) व्यवहार सेना से अपेक्षित व्यवहार से बिल्कुल विपरीत है।

विभागीय परीक्षा स्थगित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के उन अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए जिनके लिये विभागों द्वारा विभागीय परीक्षा निर्धारित की गई हो विभागीय परीक्षा सोमवार 27 जनवरी, 2025 से सोमवार 03 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाना था, जिसे छत्तीसगढ़ निर्वाचन आयोग की सूचना कार्यक्रम नगरपालिकाओं एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन 2025 के कारणवश स्थगित किया गया है।

विभागीय परीक्षा का आयोजन नगरपालिकाओं एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन 2025 के समाप्त होने के पश्चात् किया जाएगा। जिसकी सूचना पृथक से दी जाएगी।

गणतंत्र दिवस समारोह का अंतिम रिहर्सल हुआ सम्पन्न

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में करेंगे ध्वजारोहण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

76 वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का गरिमामय आयोजन पीजी कॉलेज मैदान अंबिकापुर में किया जाएगा।यहां मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ध्वजारोहण करेंगे। शुक्रवार को तैयारियों का अंतिम रिहर्सल कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि की भूमिका में अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक रहे, उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। अंतिम रिहर्सल में मुख्य समारोह के अनुरूप मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का अभ्यास किया गया, तथा स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अभ्यास किया गया। कलेक्टर श्री भोसकर ने इस अवसर पर सभी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह,जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल,नगर निगम आयुक्त श्री डी एन कश्यप, एसडीएम अंबिकापुर श्री फागेश सिन्हा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारी-कर्मचारियों ने ली सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को अवकाश के मद्देनजर एक दिन पूर्व शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय सहित कलेक्टोरेट और अन्य कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गई। इस अवसर पर सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा द्वारा कमिश्नर कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने सहित स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का उपयोग करने की शपथ दिलाई गई।

वहीं कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा जिला कलेक्टरेट परिसर में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार सभी कार्यालयों में भी सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की शपथ ली गई।

C M Y K

बैकुंठपुर और सोनहत जनपद पंचायत के लिए प्रत्याशियों कि भाजपा की पहली सूची जारी, बैकुंठपुर जनपद पंचायत के 16 क्षेत्र और सोनहत जनपद पंचायत के 9 क्षेत्र के प्रत्याशियों की सूची हुई जारी

क्या एक ही समाज को हर जगह प्रतिनिधित्व करने का मौका देकर फैलाया जा रहा भाजपा में जातिवाद?

- कुल 25 जनपद क्षेत्र के लिए जारी सूची में सात जनपद क्षेत्र अनारक्षित सातों अनारक्षित सीटों में से 6 सीटों पर राजवाड़े समाज के लोगों को मिला मौका
- एक भी अनारक्षित सीट पर अनारक्षित वर्ग को नहीं मिला प्रतिनिधित्व अनारक्षित 7 सीटों पर ओबीसी वर्ग के केवल एक समुदाय का नाम लगाता है प्रश्न चिन्ह
- जिस समाज से बैकुंठपुर विधायक आते हैं, केवल उन्हीं के समाज के लोगों को अवसर

पहले भाजपा संगठन चुनाव में नहीं मिला साहू समाज को मौका, वहीं सबसे बड़े मतदाता वर्ग के बावजूद पहली सूची में एक भी साहू समाज के व्यक्ति का नाम नहीं

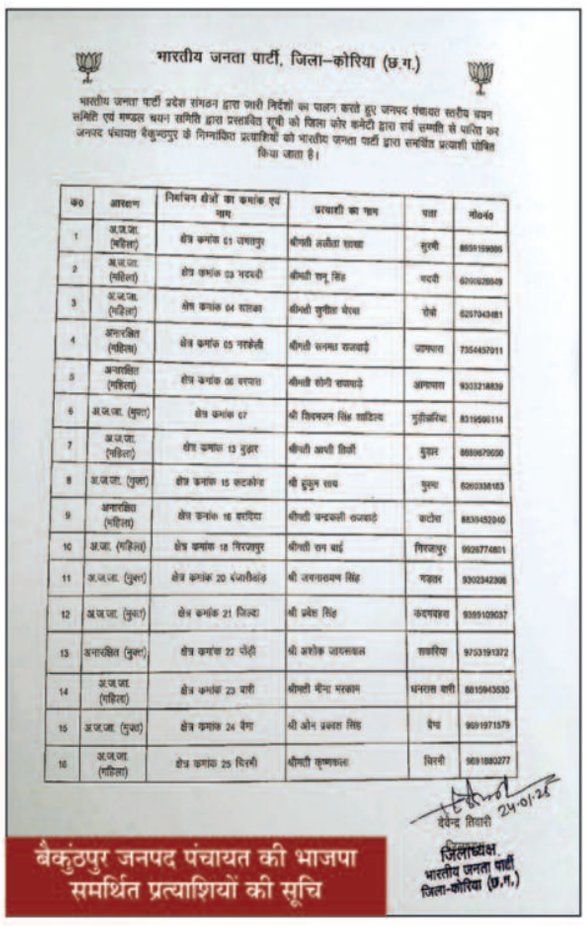

संगठन की चली नहीं या विधायक को खुश करने का प्रयास

यह जगविदित था कि संगठन चुनाव के लिए कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष के रूप में वर्तमान विधायक की पहली पसंद कोई और थे। और जिन्हें भाजपा की कमान मिली है, उनके वर्तमान भाजपा विधायक के साथ धनिष्ठता उतनी नहीं थी। परंतु संगठन के आदेश उपरांत कोरिया भाजपा की कमान भाजपा विधायक के पसंद के इतर हुई। अब जब जनपद पंचायत के लिए भारतीय जनता पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों की पहली सूची जारी हुई है, तो यह सामान्य ही कयास लगाया जा रहा है कि यह सूची या तो वर्तमान भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा विधायक को खुश करने की दृष्टिकोण से तैयार की गई है। या पहली सूची में केवल हस्ताक्षर भाजपा जिला अध्यक्ष के हैं, और सूची का निर्माण भाजपा विधायक के पसंद के अनुसार हुआ है। बहरहाल कारण जो भी हो परंतु एक वर्ग और जाति विशेष को खुश करने के चक्कर में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के वोटर और जनता कहीं भाजपा से नाखुश ना हो जाएं।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,24 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरी निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। नगरीय निकाय चुनाव के लिए तो नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। और इसी बीच प्रदेश के दोनों राजनीतिक पार्टियों त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन की कवायद में जुटी हैं। भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया ने इसमें बाजी मारते हुए बैकुंठपुर जनपद पंचायत और सोनहत जनपद पंचायत के लिए पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। जिसमें बैकुंठपुर जनपद पंचायत के 25 जनपद क्षेत्र में से 16 जनपद क्षेत्र में और सोनहत जनपद पंचायत के 9 जनपद क्षेत्र के लिए पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की गई है। उक्त दोनों सूचियां भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के हस्ताक्षर से जारी हुई हैं। दोनों जनपद क्षेत्र के कुल 25 क्षेत्र के लिए जारी सूची में 18 क्षेत्र ऐसे हैं, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। तथा सात क्षेत्र अनारक्षित हैं, जिन पर कोई भी वर्ग का प्रत्याशी चुनाव लड़ सकता है। जारी सूची को देखने के बाद से ही चर्चाओं का दौर व्याप्त हो गया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी पहली सूची के सात अनारक्षित सीटों में से 6 पर केवल एक ही जाति वर्ग के लोगों का नाम है। और वे सभी अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं। बड़ा सवाल यह है कि पहली सूची के सात अनारक्षित सीटों में से एक भी सामान्य वर्ग के व्यक्ति को मौका नहीं मिला है, और दूसरा सबसे बड़ा सवाल यह है कि सात में से 6 अनारक्षित सीटों पर केवल राजवाड़े समाज के प्रत्याशियों को पार्टी समर्थित प्रत्याशी बनने का मौका मिला है। क्या यह केवल वर्तमान विधायक को खुश करने का प्रयास है, या यह पूरी सूची वर्तमान विधायक के हस्तक्षेप से जारी की गई है, और पार्टी संगठन का इसमें कोई रोल नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी, जिला-कोरिया (छ.ग.)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए जनपद पंचायत स्तरीय चयन समिति एवं मण्डल चयन समिति द्वारा प्रस्तावित सूची को जिला कोर कमेटी द्वारा सर्व सम्मति से पारित कर जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के निम्नांकित प्रत्याशियों को भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

क0	आरक्षण	निर्वाचन क्षेत्रों का कमांक एवं नाम	प्रत्याशी का नाम	पता	मो0नं0
1	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 01 जगतपुर	श्रीमती ललिता [illegible]	सुरमी	8959159886
2	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 03 [illegible]	श्रीमती रानू सिंह	[illegible]	6200828949
3	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 04 [illegible]	श्रीमती सुनीता चेरवा	[illegible]	6267043481
4	अनारक्षित (महिला)	क्षेत्र कमांक 05 [illegible]	श्रीमती [illegible] राजवाड़े	[illegible]	7354457011
5	अनारक्षित (महिला)	क्षेत्र कमांक 06 [illegible]	श्रीमती सोनी राजवाड़े	[illegible]	9303218839
6	अ.ज.जा. (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 07	श्री [illegible] सिंह [illegible]	[illegible]	8319506114
7	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 13 [illegible]	श्रीमती [illegible]	[illegible]	8889879050
8	अ.ज.जा. (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 15 [illegible]	श्री हुकुम साय	[illegible]	6260338183
9	अनारक्षित (महिला)	क्षेत्र कमांक 16 [illegible]	श्रीमती चन्द्रकली राजवाड़े	[illegible]	8839452040
10	अ.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 18 गिरजापुर	श्रीमती राम बाई	गिरजापुर	9926774801
11	अ.ज.जा. (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 20 [illegible]	श्री जगनारायण सिंह	[illegible]	9302342308
12	अ.ज.जा. (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 21 [illegible]	श्री प्रवेश सिंह	[illegible]	9399109037
13	अनारक्षित (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 22 [illegible]	श्री अशोक जायसवाल	[illegible]	9753191372
14	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 23 [illegible]	श्रीमती मीना मरकाम	[illegible]	8815943530
15	अ.ज.जा. (मुक्त)	क्षेत्र कमांक 24 [illegible]	श्री ओम प्रकाश सिंह	[illegible]	9691971579
16	अ.ज.जा. (महिला)	क्षेत्र कमांक 25 [illegible]	श्रीमती कृष्णकला	[illegible]	9691880277

24.01.25
देवेन्द्र तिवारी
जिलाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
जिला-कोरिया (छ.ग.)

बैकुंठपुर जनपद पंचायत की भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की सूचि

भारतीय जनता पार्टी, जिला-कोरिया (छ.ग.)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए जनपद पंचायत स्तरीय चयन समिति एवं मण्डल सोनहत की चयन समिति द्वारा प्रस्तावित सूची को जिला कोर कमेटी द्वारा सर्व सम्मति से पारित कर जनपद पंचायत सोनहत के निम्नांकित प्रत्याशियों को भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

क0	आरक्षण	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	प्रत्याशी का नाम	पता	मो0नं0
1	अ.ज.जा. (मुक्त)	रामगढ़	श्री बृजलाल चेरवा	उज्ञांव	9575103201
2	अ.ज.जा. (महिला)	सोनहत	श्री हीरमन सिंह	सोनहत	9302684816
3	अनारक्षित (मुक्त)	कुशहा	श्री ईश्वर प्रसाद राजवाड़े	कैलासपुर	7748824621
4	अनारक्षित (महिला)	केशगवां	श्रीमती सोनिया राजवाड़े	कैलासपुर	9644479526
5	अनारक्षित (महिला)	पुसला	श्रीमती ओमेश्वरी राजवाड़े	पुसला	7999419767
6	अ.जाति (महिला)	कटगोड़ी	श्रीमती आलेश्वरी गौतम	कटगोड़ी	6264480154
7	अ.ज.जा. (महिला)	भैंसवार	श्रीमती कलिता पैकरा	रजौली	6267658011
8	अ.ज.जा. (महिला)	मझारटोला	श्रीमती ज्योती सिंह	सुंदरपुर	7867114479
9	अ.ज.जा. (मुक्त)	दामुज	श्री रामाधार चेरवा	दामुज	6268300821

24.01.25
देवेन्द्र तिवारी
जिलाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
जिला-कोरिया (छ.ग.)

सोनहत जनपद पंचायत की भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की सूचि

भारतीय जनता पार्टी अपने आप को बताती है परिवारवाद और जातिवाद से परे...परंतु कोरिया में ऐसा नहीं लग रहा...

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता सदैव अपने उद्बोधनों और अपने आख्यानों में इस बात पर जोर देते रहते हैं कि यह पार्टी परिवारवाद और जातिवाद को लेकर नहीं चलती और जो भी कार्यकर्ता योग्य है, सक्षम है, पार्टी उसे पूरा मौका देती है। परंतु जनपद पंचायत के चुनाव में कोरिया जिले द्वारा दो जनपद पंचायत क्षेत्र के लिए जारी पहली सूची में ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। चूंकि यहां के विधायक राजवाड़े समाज से आते हैं, और पहली सूची के अधिकांश अनारक्षित सीटों में केवल उन्हीं के समाज के लोगों को मौका दिया गया है, जिससे अन्य वर्ग में नाराजगी व्याप्त होने की पूरी संभावना है। और लोग दबी जुबान में इस बात की चर्चा भी कर रहे हैं। यदि प्रदेश के सरगुजा और बस्तर संभाग में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को हटा भी दिया गया है, और जैसा कि प्रदेश स्तर के नेताओं ने कहा था की अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण हटाने के बाद भी हम अन्य पिछड़ा वर्ग को अधिक से अधिक भागीदारी प्रदान करेंगे, तो सवाल यह है कि अन्य पिछड़ा वर्ग में सैकड़ो जातियां शामिल हैं, तो केवल एक ही जाति वर्ग से समूचे प्रत्याशियों का चयन का पैमाना आखिर क्यों।

पहले भाजपा संगठन चुनाव में नहीं मिला साहू समाज को मौका, वहीं सबसे बड़े मतदाता वर्ग के बावजूद पहली सूची में एक भी साहू समाज के व्यक्ति का नाम नहीं

अभी कुछ दिन पूर्व हुए भाजपा के संगठन चुनाव में भी कुछ ऐसे ही आरोप प्रत्यारोप पार्टी पर लगते रहे, जब क्षेत्र में एक बड़े वर्ग के रूप में व्याप्त साहू मतदाताओं के होने के बावजूद कोरिया जिला संगठन में उन्हें कोई पद नहीं दिया गया। जबकि यह सर्वविदित है कि कोरिया जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के सबसे बड़े मतदाता वर्ग के रूप में साहू समाज के लोग आते हैं। अब फिर से पंचायत चुनाव में भी यही देखने को मिल रहा है कि इतने बड़े सामाजिक वर्ग होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी प्रथम सूची में सातों अनारक्षित सीटों पर ओबीसी वर्ग को तो मौका दिया गया, परंतु साहू समाज के लिए एक भी नाम को चयनित नहीं किया गया। विभाजित कोरिया जिले में नवगठित 10 जिला पंचायत क्षेत्र में भी अनारक्षित सीटों पर साहू समाज का दबदबा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला पंचायत के लिए आने वाली सूची में कितने साहू समाज के लोगों को पार्टी मौका देती है, या फिर वहां पर भी जातिवाद के आधार पर राजवाड़े समाज के लोगों को ही प्रतिनिधित्व का मौका मिलेगा।

वेदांता के प्रोजेक्ट पंछी से लड़कियां बनेगी आत्मनिर्भर

-संवाददाता-
कोरबा,24 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वेदांता के प्रोजेक्ट पंछी की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से पीछे रह गई लड़कियों के जीवन में बदलाव लाना है। यह परियोजना वेदांता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल की समाज को वापस देने की सोच को साकार करते हुए, लड़कियों को प्रगति के नए अवसर प्रदान कर रहा है। इस परियोजना से लड़कियां आर्थिक एवं सामाजिक बाधाओं को पार कर अपनी शिक्षा पूरी करने तथा स्थायी आजीविका हासिल करने में सफल होंगी।पंछी परियोजना' के अंतर्गत बालको द्वारा चयनित छत्तीसगढ़ की बेटियों को उचित शिक्षा दिलाने तथा उच्च औद्योगिक उपक्रम में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। ओपी जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़ के आवासीय परिसर में रहकर 76 लड़कियां 4 साल के स्नातक में अपनी शिक्षा पूरी कर रही हैं। इस कदम से उन बेटियों को नया कर दिखाने का हौसला मिलेगा जिनकी प्रगति की उड़ान पूरी तरह से थम चुकी थी। 'पंछी परियोजना' की मदद से ये लड़किया विकास की मुख्यधारा से जुड़ कर दुनिया को यह दिखा सकेंगी कि अगर जज्बे को सही प्रेरणा मिल जाए तो आकाश की ऊंचाइयां इनके मजबूत इरादों के पंखों से जीती जा सकती हैं। प्रोजेक्ट पंछी लड़कियों को शिक्षा और विकास के सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के साथ आर्थिक परिस्थितियों के कारण टूटे सपने को पूरा कर रहा है। कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि इससे बेटियां सशक्त होंगी और समाज को आगे लेकर जाएंगी। बालको द्वारा सबसे उपयुक्त उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित किया गया है। वेदांता ने प्रत्येक स्थान पर विशेष चयन प्रक्रिया लागू की है। चयनित होने के बाद इन बेटियों को ख्याति प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों से उच्च शिक्षा दिया जा रहा है। शिक्षा पूरी होने के बाद औपचारिक रूप से मुख्य संचालन में शामिल किया जाएगा। प्रोजेक्ट पंछी वेदांता कंपनी के अन्य व्यावसायिक स्थानों जैसे, ओडिशा के लांजीगढ़, झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ में भी चल रहा है।

बालको के सीईओ राजेश कुमार ने कहा कि वेदांता समूह ने स्वावलंबन के क्षेत्र में 'पंछी' परियोजना से अनूठी शुरुआत की है, जो बेटियों को उनके अधूरे सपनों को साकार करने का रास्ता दिखाएगी। वेदांता समूह ने सामुदायिक विकास कार्यों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इस परियोजना से हम एक उज्जवल भविष्य की तैयारी कर रहे हैं, जहां ये सशक्त बेटियां अपने जीवन और आसपास के समाज को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वेदांता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में वेदांता प्रतिभाओं की तलाश करने और उन्हें देश के विकास में योगदान के लिए तैयार करने की दिशा में कटिबद्ध है। प्रोजेक्ट पंछी सामाजिक सशक्तिकरण और विविधता के प्रति वेदांता समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो पूरे भारत में इसके विभिन्न व्यवसायों में फैला है। यह परियोजना ग्रामीण समुदाय के भीतर विविधता, समावेशन को बढ़ावा देने और सामाजिक बदलाव लाने के वेदांता के लक्ष्य को दर्शाती है। यह वंचित, दूरदराज के समुदायों में योग्य बेटियों के लिए अवसर प्राप्ति के साथ स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करके धातु एवं खनन क्षेत्र के भीतर जेंडर डायवर्सिटी को बढ़ावा देती है।

माध्यमिक शाला पतरापाली में राष्ट्रीय बालिका दिवस का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन वर्ष 2025 की थीम सुनहरे भविष्य के लिए बच्चियों का सशस्तीकरण पर किया गया। छात्राओ को इस दिवस की जानकारी देते हुए शिक्षक योगेश साहू ने कहा कि 24 जनवरी को बालिका दिवस मनाने की वजह इंदिरा गांधी से संबंधित है। दरअसल,देश की पहली

महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 24 जनवरी 1966 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। एक बेटी के देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने पर इस खास दिन को बेटियों के नाम समर्पित करते हुए हर साल 24 जनवरी का दिन राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। शिक्षिका अनीता सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है, 'सुनहरे भविष्य के लिए बच्चियों का सशक्तीकरण'। बालिका दिवस का मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना। लड़कियों की शिक्षा के महत्व को रेखांकित करना। कन्या भ्रूण हत्या को रोकना। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों को प्रोत्साहित करना। महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करना। आज का यह दिन समाज में लड़कियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। सरकार की योजनाओं को जैसे, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और बालिका शिक्षा अभियान को प्रचारित करना है। आज बालिकाओ ने इको क्लब के पौधो के खरपतवार की साफ़ सफ़ाई की कर, सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक और बच्चे उपस्थित थे।

केपीएल टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट में अंबिकापुर ने मारी बाजी,उपविजेता रही महामाया कॉलेज खड़गवां की टीम

तीन गेंद में तीन छक्कों से स्वास्थ्य मंत्री ने की शुरुआत,विजेता को 31000 हजार नगद और ट्राफी से नवाजा गया

-संवाददाता-
खड़गवां,24 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

विकासखंड खड़गवां में केपीएल टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 - 2025 का फाइनल मैच अंबिकापुर एवं खड़गवां महामाया कॉलेज के बीच खेला गया। यह फाइनल मैच 12, 12 ओवर का खेला गया जिसमें अंबिकापुर टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया वही महामाया कॉलेज खड़गवां की टीम पहले बैटिंग करते हुए 12 ओवर में 101 रन का लक्ष्य निर्धारित की जिसका पीछा करते हुए महज आठ ओवर में अंबिकापुर की टीम ने 102 रन बनाकर फाइनल का ट्राफी अपने नाम कर लिया। इस फायनल मैच में मैन ऑफ द मैच आकाश और मैन ऑफ द सीरीज मनीष को दिया गया। विजेता टीम अंबिकापुर को

प्रथम पुरस्कार के रूप में 31000 हजार नगद और ट्राफी वही उपविजेता को द्वितीय पुरस्कार 21000 नगद से नवाजा गया। विदित हो कि केपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने बैटिंग कर मैच का शुरुआत की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने तीन गेंद में तीन छक्का लगाया। टूर्नामेंट समापन अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने खेल को खेल भावना से खेलने के लिए सभी खिलाड़ियों बधाई दी और कहा कि आप सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। निश्चित रूप से आयोजन समिति बधाई की पात्र है जिसने यहां के लोगों के लिए इस खेल का आयोजन कराकर एक स्वच्छ मनोरंजन का साधन उपलब्ध कराया है और आने वाले समय में यहां और बड़े प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मैदान को बराबर कराकर और बेहतर बनाने का काम किया जाएगा तथा मैदान के चारों तरफ फ्लड लाइड से रोशन करेंगे ताकि बच्चे रात में भी ऐसे खेलों में भाग ले सके और लगातार खेलों का आयोजन हो सके। उक्त प्रतियोगिता के फाइनल मैच में धनंजय पांडे, धर्मपाल सिंह, विजय देवांगन, ईश्वर साहू, रामप्रताप, अब्दुल सहित भारी संख्या में दर्शक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2 ,जिला-सरगुजा,(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202501021700030
/ब 121 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश दास आ0 काली दास, निवासी ग्राम डिगमा,तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 276/1 रकबा 0.040 हे0 में से 0.020 हे0 (05 डिसमिल) भूमि अपनी पुत्री के विवाह में लिये गये कर्ज को चुकाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारणण अनावेदक राजेश भट्ट आ0 सुशांत भट्ट, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 को रू0 4,00,000/- (चार लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07/02/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 22/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
,अंबिकापुर-02

जिन पुलिसकर्मियों के लापरवाही से गई आदिवासी नाबालिक की जान उन्हें सजा दिलाने पिता ने खटखटाया न्यायालय का दरवाजा

थाने के सीसीटीवी फुटेज सहित साक्ष सुरक्षित रखने के लिए भी परिजन ने दिया आवेदन

पुलिस की भर्राशाही के विरुद्ध व अपने बेटे की मौत की वजह बनने वाले दोषियों के खिलाफ कार्यवाही कराने पिता कहीं भी जाने को तैयार

पुलिस की भार्राशाही वाली कार्य प्रणाली नाबालिक के मौत का कारण परिजनों का आरोप

घटनास्थल पर मिला चाकू नाबालिक के घर का नहीं पुलिस ने फिर कहां से लाया वह चाकू?

पुलिस वाले ने परिजनों को कहा न्यायालय में यदि पूछेंगे की चाकू आपके घर का है तो कह देन कि मेरे घर का है

गुमशुदा नाबालिक की मौत वह गुमशुदा की खोजना के चक्कर में एक नाबालिक ने लगाई फांसी मामले में पुलिस संदेह के घेरे में

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/पटना,24 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस को समाज की सुरक्षा के लिए स्थापित किया गया है पर क्या पुलिस सही तरीके से समाज की सुरक्षा कर पा रही है? यह बड़ा सवाल जो अब उठ लाजमी है वह भी तब जब पुलिस ही किसी नाबालिक की मौत की वजह बन जाए? यह हम नहीं कह रहे यह आरोप पुलिस पर नाबालिक के परिजनों का है, भले ही मामले को 2 महीने से ऊपर हो चुके हैं, पर पुलिस नाबालिक की हत्यारे को पकड़ कर अपनी पीठ थपथपा चुकी है पर इस कार्यवाही के बीच यदि कोई सबसे बड़ा सवाल है तो वह दूसरे नाबालिक का आत्महत्या कर लेना जो पटना पुलिस के लिए उस के गले की फांस बन गई है, पुलिस ने बिना प्रोटोकॉल का पालन किया नाबालिक को थाने लाना और उसे टॉर्चर करना उसके बाद नाबालिक का घर जाकर फांसी लगा लेना यह पुलिस को ही दोषी बनने जैसा मामला दिख रहा है। आत्महत्या करने वाले नाबालिक के पिता इस मामले को लेकर उच्च स्तरीय शिकायत कर चुके हैं पर अभी तक इस पर कोई सही तरीके से जांच व कार्रवाई नहीं हो पाई है, जिसके बाद अब वह न्यायालय की शरण में पहुंच गए हैं अब पटना पुलिस पर कार्यवाही की उम्मीद अब सिर्फ पीड़ित के पिता को न्यायालय से ही है।

ज्ञात हो की पटना पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम चंपाझर के दो नाबालिकों से जुड़ा हत्या व आत्महत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया और प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पुलिस ने यह दावा भी कर दिया कि मामला प्रेम प्रसंग और राज को उजागर करने से जुड़ा हुआ था, जिसके कारण ही एक नाबालिक की हत्या कर दी गई, वहीं एक नाबालिक जो हत्यारे के साथ हत्या जिस नाबालिक की हुई उसे डराने पहुंचा था और वह पुलिस की पूछताछ से और पुलिस की कड़ाई से भयभीत हो गया और उसने आत्महत्या कर ली। वैसे हत्या की गुत्थी डॉग स्क्वायड की टीम ने सुलझाई और नाबालिक जिसकी हत्या हुई थी जिसके परिजनों के द्वारा जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, उसके शव को डॉग स्क्वायड की ही टीम ने बरामद किया और वहीं से इस पूरे मामले में गुमशुदगी की जगह हत्या का मामला दर्ज हुआ। वैसे डॉग स्क्वायड की टीम में शामिल खोजी कुत्ता हत्या जिस नाबालिक की हुई थी उसके शव के पास से सीधे उस नाबालिक के घर पहुंचा था जिसने पुलिस की कड़ी पूछताछ के बाद आत्महत्या कर ली थी, वहीं कुत्ता उस युवक के घर नहीं गया जो असल हत्यारा है? जिसने नाबालिक को पहले पत्थर से मारा और फिर चाकू से मारा और गला काटने का भी असफल प्रयास किया यह जरा आश्चर्य करने वाला एक तथ्य है जो पुलिस ने विवेचना में लिखा है दर्ज किया है। पुलिस की विवेचना और पुलिस की विज्ञप्ति जारी होने उपरांत अब कई सवाल इस मामले में खड़े होने लगे हैं जो पुलिस की हड़बड़ाहट और उसकी विवेचना पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं।

नाबालिक का आत्महत्या खाखी पर दाग?

चंपाझर मामले में पुलिस की तरफ से बाल अपराध और अपराधी से जुड़े विषयों का ध्यान नहीं रखा गया न ही नाबालिक से पूछताछ के लिए बने कानून का पालन किया गया। नाबालिक जिसने आत्महत्या की उसे पुलिस ने वर्दी में जाकर घर से उठाया और वहीं उसे थाने लाकर भी वर्दी में पूछताछ की है ऐसा बताया जा रहा है, पुलिस के द्वारा नाबालिक को डराया धमकाया भी गया, जिसके द्वारा आत्महत्या की गई यह भी बतलाया जा रहा है, और यही वजह रही कि नाबालिक ने आत्महत्या कर ली। वैसे यदि पुलिस ने नाबालिक जिसने आत्महत्या की उससे नियम कायदे से बात की होती जो नाबालिक मामले के नियम हैं तो शायद नाबालिक इस मामले में मददगार साबित होता डॉग स्क्वायड की भी जरूरत पुलिस को नहीं पड़ती वहीं एक साक्ष्य भी नाबालिक खुद बनता। अब पुलिस की नासमझी से नाबालिक आत्महत्या कर खुद का ही मुंह हमेशा के लिए बंद कर ले गया, और कई सवाल वह छोड़ गया।वैसे पुलिस लगातार यह दावा कर रही है कि नाबालिक से पूछताछ सादी वर्दी में हुई और बाल कानून अनुसार कुछ वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में हुई पूछताछ लेकिन पुलिस का यह दावा झूठा है और इसकी पोल खुद उनका ही सीसीटीवी फुटेज खोल सकता है यह लोगों का ही दावा है। अब सच्चाई जो भी हो लेकिन एक नाबालिक की मौत जिसने आत्महत्या कर ली वह पुलिस की ही नाकामी के कारण हुई यही फिलहाल जनचर्चा है।

ये संपूर्ण घटना दंडनात्मक अपराध

प्रार्थी के अधिवक्ता बरुण कुमार मिश्रा ने बातचीत में बताया की पुलिस थाने में नाबालिक बच्चो के साथ हुई पूछताछ गैर क़ानूनी है, पुलिस द्वारा बच्चो को थाने में शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना और इससे प्रभावित होकर नाबालिक द्वारा फांसी लगा लेना बहुत ही सवेदनशील घटना हैं। ये संपूर्ण घटना दंडनात्मक अपराध की श्रेणी में आता हैं एवं ऐसे में बालकों के अधिकार संरक्षण कानून मौन मालूम पड़ते हैं,छत्तीसगढ़ में आए दिन पुलिस अभिरक्षा में ऐसी घटनाए हो रही है न्यायपालिका एवं विधायिका को इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए कानूनों को और मजबूत करने की अवयश्कता हैं।

शिकायत उच्च स्तर तक पर कार्यवाही अभी तक कुछ नहीं

चंपाझर नाबालिक छात्र की हत्या की गुथी सुलझ गई...डॉग स्क्वायड का कुत्ता जिस आत्महत्या करने वाले नाबालिक के घर घुसा वह नहीं कोई अन्य निकला हत्यारा?

जब आत्महत्या करने वाला नाबालिक नहीं था हत्यारा तो डॉग स्क्वायड का कुत्ता क्यों गया उसके घर, हत्यारे के घर क्यों नहीं पहुंचा कुत्ता?

पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति अब खुद सवालों के घेरे में...पुलिस ने आत्महत्या करने वाले नाबालिक को सीधे नहीं बताया आरोपी

क्या पटना पुलिस की जरा सी नासमझी और नादानी वहीं अतिउत्साह वजह बनी नाबालिक के आत्महत्या की वजह?

नाबालिक गुम हुआ..पता लगाने दुसरे नाबालिक को थाना लाया गया..जिस नाबालिक से पूछताछ हुई वह फांसी लगा लिया..उसी दिन गुम नाबालिक का शव मिला

नाबालिक झूला फंदे पर,परिजनों का पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप

पुलिस ने नाबालिक को लेकर नहीं बरती सावधानी,इसलिए नाबालिक ने दी ज्ञानःसूत्र

गुमशुदा नाबालिक की तलाश में जुटी पटना पुलिस की लापरवाही से संदेही नाबालिक फंदे पर झूला

गुमशुदा नाबालिक का भी मिला शव,गला काटकर की गई है हत्या

शव के पास से मिला खून से सना चाकू,खोजी कुत्ता भी शव के पास से सीधे पहुंचा फंदे पर झूले नाबालिक के घर

पटना पुलिस की हो रही आलोचना, समझदारी दिखाते एक नाबालिक या संभावित आरोपी नाबालिक होता जीवित, हत्या का कारण होता स्पष्ट

वह है पुलिस की विज्ञप्ति वाली कहानी

पुलिस अधीक्षक कोरिया ने घटना स्थलों का स्वयं किया मुआयना

दो नाबालिकों की मौत से जुड़ी पटना थाना अंतर्गत घटी पूरी घटना

घटती घटना
अम्बिकापुर, बुधवार 27 नवम्बर 2024 6

चंपाझर नाबालिक छात्र की हत्या की गुथी सुलझ गई...

डॉग स्क्वायड का कुत्ता जिस आत्महत्या करने वाले नाबालिक के घर घुसा वह नहीं कोई अन्य निकला हत्यारा?

क्या पुलिस से इस मामले में बड़ी कोई चूक जो एक नाबालिक की आत्महत्या की वजह बन गई?

प्रेस विज्ञप्ति वाली कहानी पर नजर

नाबालिक का आत्महत्या खाखी पर दाग?

क्या नाबालिक की हत्या व आत्महत्या के मामले में पटना पुलिस की है लापरवाही?

आईए जानते हैं क्या है मामला

मामले में दिनांक 20/11/2024 को थाना पटना में 13 वर्ष नाबालिक की गुमशुदा होने की गुम इंसान रिपोर्ट क्रमांक 53/2024 दर्ज किया गया था, जिसके सबंध में पूछताछ के लिए पुलिस थाना पटना के पुलिस कर्मियों द्वारा ग्राम चंपाझर पटना निवासी दो आदिवासी नाबालिक बालको को जिनकी उम्र 14 वर्ष एवं उम्र 12 वर्ष बतायी गयी हैं उन्हें पुलिस द्वारा दोनों के घर से अपनी वर्दी में दिनांक 22/11/2025 को सुबह समय 11 बजे उठा कर पुलिस वाहन से थाना पटना ले जाया गया था। थाना पटना द्वारा दोनों नाबालिक बालको के परिजनो को बिना सूचना किए तथा बाल कल्याण समिति (सी.डब्लू.सी.) एवं संबंधित संस्था को सूचना दिए बगैर पुलिस थाने के अंदर बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए दिनांक 22.11.2024 को दोपहर 12:00 बजे से रात 9:00 बजे तक थाने में निरुद्ध रखा गया। नाबालिको के परिजनों द्वारा थाने से बच्चो को रिहा करने की विनती करने पर साथ अन्य समाजिक दवाब के कारण पुलिस थाना पटना ने दोनों नाबालिक बच्चो को देर रात 9:00 बजे थाने से छोड़ा था। दोनों नाबालिक लड़के थाने से छूटने के बाद अपने अपने परिजनों के साथ घर चले गए। जब दोनों नाबालिक बच्चे अपने घर पहुचे तब घर के परिजनों को 14 वर्षीया बालक ने आगन में आग तापते हुए बतया कि पुलिस ने उसे टॉयलेट में ले जाकर मारा हैं और गालि भी बक रहें थे। उसने डरते हुए ये भी बताया कि पुलिस वाले उसे कैची एवं पट्टा दिखा कर डरा रहें थे और कैची से गुप्तांग और कान काटने की धमकी भी दे रहें थे। इतनी बाते बताने के बाद नाबालिक अपने घर के अंदर सोने चला गया। अगले दिन 23/11/2024 को सुबह 05 बजे जब नाबालिक बालक की माँ घर के पीछे अहाते में गयी तो देखा की उसके पुत्र 14 वर्षीय नाबालिक बालक ने साड़ी में लटक कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली हैं। इस पूरी घटनाक्रम में पुलिस ने बालकों के संरक्षण हेतु मौजूदा प्रावधानों को तक में रख कर विवेचना किया हैं, पुलिस द्वारा थाने के अंदर नाबालिक के अंदर इतना डर भर दिया था कि वे 14 वर्षीय नाबालिक मानसिक अवसाद में आकर संत्रास में स्वयं को मारना ही एक मात्र उपाय चुना। माता पिता से बात करने पर पता चला की बालक पढाई में काफ़ी अच्छा था शांत स्वभाव का था ज्यादा किसी व्यक्ति से मतलब भी नहीं रखता था।

घर में चाकू का कोई उपयोगी नहीं फिर भी पुलिस चाकू बरामद पता कर कहती है कि कोर्ट में कहना की चाकू मेरे घर का है...

माता-पिता ने बताया की घटना के बाद गुमसुदा लड़के की हत्या की जगह पर मिले चाकु को पुलिस वाले घर में ला कर कह रहें थे कि कोर्ट में कहना की चाकु मेरे घर का हैं, बल्कि हमारे घर में चाकु का काम ही नहीं है हम चाकु प्रयोग नहीं करते हैं। उक्त घटना के संबध में मृत 14 वर्षीय नाबालिक बालक के पिता ने घटना में संज्ञान लेने हेतु एवं पुलिस के विरुद्ध उच्च अधिकारियों से एवं संस्थाओ से शिकायत भी की थी। जिससे राष्टिय बाल अधिकार संरक्षण आयोग राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लेते हुए परिवार वालों से पूछताक्ष कर बयान भी दर्ज किया गया था, साथ ही थाने की घटना दिनांक की सीसीटीवी कैमरा की फुटेज हेतु सूचना का अधिकार भी लगाया गया था जिसकी फूटेज पुलिस ने वीडियो फूटेज देने से थाने की सुरक्षा प्रभावित होगी का कारण बता कर मना कर दिया।

पुलिसकर्मी वह अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने मृतक के पिता ने की शिकायत

इस घटनाक्रम से मृत बालक के पिता ने घटना के संबध में पुलिस थाना पटना को पुलिस थाना पटना के अधिकारियो एवं आरक्षको के खिलाफ़ एफ़आईआर दर्ज करने हेतु दिनांक 06 जनवरी को पोस्ट के माध्यम से आवेदन भेजा था, जिस पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की, जिससे पीड़ित होकर मृत बालक के पिता ने 08 जनवरी को पुलिस अधिक्षक बैकुंठपुर कोरिया के कार्यलय में आवेदन दिया जिसपर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया ऐसी स्थिति निर्मित होने के बाद पिता ने अन्तः न्यायालय की शरण ली और दिनांक 21 जनवरी को पुलिस थाना पटना के अधिकारियो एवं आरक्षको के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 107, 108, 115 (2), 351, 199, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1995 की धारा 3(2)(वी), 4(1) जैसी धाराओं में अपराध पंजीबद्ध करने के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष प्राइवेट कम्पलेन पेस कि हैं जिसे न्यायालय में स्वीकार कर पुलिस थाना पटना को जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया हैं.

पुलिस ने की नाबालिक बालक के साथ प्रताड़ना

पुलिस के द्वारा दो नाबालिक को थाने लाया गया था जहां पर प्रताड़ित किया गया, जिसमें से एक नाबालिक घर जाकर आत्महत्या कर लिया वहीं दूसरी नाबालिक ने पुलिस के द्वारा बर्बरता करने वाली बात बताई, दूसरे नाबालिक ने बताया कि पुलिस वर्दी में हम दोनों को ले गई थी और काफी घंटे हमें थाने में बैठाया फिर अंधेरा होने के बाद हमें घर के बाहर छोड़ कर चली गई, जबकि हमारे परिजन कई बार उनके पास गए पर वह मिलने नहीं दिए, एक महिला अधिकारी ने एक झापड़ भी मारा, और तरह-तरह से डरने वाली बात कही। पुलिस थाने के अंदर नाबालिक बालको को साथ हुई प्रताड़ना अमानवीय होकर घोर निंदनीय हैं क्षेत्र में हुई इस निरसंस घटना के बाद भी पुलिस विभाग ने कोई विभागीय जाँच भी नहीं बैठाई हैं, नियमता प्रत्येक थाने में बाल मित्र की नियुक्ति होती हैं परंतु इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं हैं।

क्या पुलिस से इस मामले में बड़ी कोई है...चूक जो एक नाबालिक की आत्महत्या की वजह बन गई?

पुलिस की इस मामले में सबसे बड़ी कोई चूक रही तो वह यह रही कि वह एक नाबालिक के आत्महत्या की वजह बन गई? पटना पुलिस की नासमझी कहें या अति उत्साह में उठाया गया एक नादानी वाला कदम जिसके कारण एक नाबालिक ने पुलिस के भय से आत्महत्या कर लिया, अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली। अब पुलिस भले ही पटना की अपनी पीठ ठोक रही है कि उसने हत्या की गुत्थी या एक नाबालिक की गुमशुदगी की गुत्थी सुलझा ली है, जिसकी हत्या हुई थी और जिसका शव बरामद हुआ है लेकिन यहां यदि पुलिस ने समझदारी दिखाई होती पुलिस हत्या के दौरान मौजूद रहे नाबालिक को जिसने आत्महत्या कर ली जो हत्यारे के साथ था को यदि भयभीत नहीं करती वह जीवित रहता और आज इस हत्याकांड का वह एक साक्ष्य होता? वहीं आरोपी को भी कड़ी सजा मिलती उसके बयान से वहीं हत्या का कारण और अधिक स्पष्ट होता। वैसे पुलिस की किसी विवेचना में प्रश्न कितने भी उठा लिए जाएं लेकिन उसका कोई परिणाम निकलने वाला नहीं है, क्योंकि पुलिस की हर विवेचना जिसपर प्रश्न उठाए जाएंगे वह पुनः जांच के लिए किसी न किसी पुलिस अधिकारी के पास या विवेचक के पास ही जाएगी और परिणाम वही निकलेगा जो पहला है।

तमिलनाडु का खिलाड़ी बना जोहोर इंटरनेशनल ओपन कप का चैंपियन

नई दिल्ली, 24 जनवरी 2025। भारतीय ग्रैंडमास्टर इनियन पन्नीरसेल्वम ने मलेशिया में 9 वां जोहोर इंटरनेशनल ओपन शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। तमिलनाडु के इरोड के 22 साल के इनियन ने 9 खेलों में 8.5 अंक हासिल किए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी से 1.5 अंक आगे रहते हुए चार इंटरनेशनल मास्टर्स और एक ग्रैंडमास्टर को हराया। ये 9 राउंड का टूर्नामेंट गुरुवार को समाप्त हुआ। जिसमें आठ देशों के 84 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 24 खिलाड़ी टाइटलधारी थे। अंतिम राउंड से पहले ही इनियन ने इंडोनेशियाई आईएम नयाका बुधिधर्मा को हराकर खिताब पक्का कर लिया था। वह अंक तालिका में 1.5 अंक से आगे थे। अंतिम राउंड में इनियन ने वियतनामी जीएम गुयेन वान हुई को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय आईएम वीएस राहुल और चीनी आईएम ली ब्रो क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इनियन जिन्होंने जनवरी में चेन्नई ओपन भी जीत था। उन्होंने इस खिताबी जीत से 15 रेटिंग अंक हासिल किए।

भारत-इंगलैंड के बीच दूसरा टी 20 मैच आज

» दूसरे टी 20 मैच के लिए प्लेइंग इलेवन का ऐलान
» टीम में हो गया बदलाव

चेन्नई,24 जनवरी 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी 20 मैचों की सीरीज का दूसरा मैच अब करीब आ रहा है। सीरीज का पहला मैच जो कोलकाता में खेला गया था, उसे टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार तरीके से अपने नाम किया था। अब भारत की कोशिश दूसरा मैच जीतकर सीरीज को जीतने की ओर एक और कदम बढ़ाने की होगी। इस बीच सवाल दूसरे मैच की प्लेइंग इलेवन को लेकर है। अब दूसरे मैच की प्लेइंग इलेवन सामने आ गई है। इसमें एक बदलाव किया गया है। इंग्लैंड की टीम ने मैच से एक दिन पहले ही बड़ा ऐलान कर दिया है।

गस एटकिंसन की प्लेइंग इलेवन से हुई छुट्टी

इंग्लैंड की टीम ने सीरीज के दूसरे मैच के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। जो 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होना है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से ऐलान किया गया है कि पहले मैच के बाद दूसरे मैच के लिए एक बदलाव किया गया है। बताया गया है कि गस एटकिंसन पहले मैच के बाद दूसरे मैच की प्लेइंग इलेवन में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह ब्रायडन कार्स को मौका दिया गया है। गस एटकिंगस ने पहले मैच में 2 ओवर की गेंदबाजी की थी और उसमें उन्होंने 38 रन खर्च कर दिए थे। साथ ही उन्हें कोई सफलता भी नहीं मिली थी। गस एटकिंसन बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। लेकिन वे उस मैच में वहां भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। उन्होंने भारत के खिलाफ 13 बॉल खेलकर केवल दो ही रन बनाए और आउट हो गए।

जेमी स्मिथ होंगे टीम के 12वें खिलाड़ी

इंग्लैंड की ओर से बाकी कोई भी बदलाव करने की बात अभी तक तो नहीं बताई गई है। हां, इतना जरूर बताया गया है कि जेमी स्मिथ 12 खिलाड़ी होंगे। जो जरूरत पड़ने पर ही मैदान में आएंगे। पहला मैच बुरी तरह से हारने के बाद इस बात की संभावना थी कि टीम में बदलाव होगा और ऐसा ही हुआ भी है। इंग्लैंड के लिए मुश्किल ये है कि अगर दूसरा मैच भी हाथ से गया तो सीरीज में बराबरी करना काफी ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। इसलिए वे शुरुआत में ही अपने सबसे बड़े और धाकड़ खिलाड़ियों को मौका देने के बारे में सोच रहा है।

केवल जॉस बटलर की कर पाए अपनी टीम के लिए ठीक प्रदर्शन

कप्तान जॉस बटलर को छोड़कर पहले मैच में इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज कुछ भी खास नहीं कर पाया। वो तो जॉस बटलर ने 44 बॉल पर 68 रनों की पारी खेली, इसलिए टीम 132 रनों का स्कोर खड़ा कर पाई, नहीं तो टीम और भी ज्यादा संकट में होती। इंग्लैंड की टीम अगर अच्छी गेंदबाजी करती तो मैच टक्कर का हो सकता था, लेकिन गेंदबाजी में भी कई सारी कमजोरियां सामने आई और भारत ने महज 12.5 ओवर में ही मैच अपने नाम कर लिया और सीरीज में बढ़त बना ली। अब देखना होगा कि दूसरे मैच में इंग्लैंड की टीम कैसा प्रदर्शन करती है।

दूसरे टी20 मैच के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवनः बेन डकेट, फिल साल्ट (विकेटकीपर), जॉस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, ब्रायडेन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले सामने आई आईसीसी की वनडे टीम

एक भी भारतीय खिलाड़ी को नहीं मिली एंट्री

नई दिल्ली, 24 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन 19 फरवरी से किया जाना है। टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान के हाथों में हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। वनडे फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 7 टीमों ने अपने स्क्वाड का भी ऐलान कर दिया है। इसी बीच आईसीसी ने साल 2024 के लिए अपनी वनडे टीम ऑफ द ईयर का भी ऐलान कर दिया है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस टीम में एक भी खिलाड़ी टीम इंडिया का नहीं है। आईसीसी ने पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को टीम में मौका दिया है।

क्यों नहीं मिला भारतीय खिलाड़ियों को मौका

टीम इंडिया के एक भी खिलाड़ी को इस बार आईसीसी वनडे टीम ऑफ द ईयर में मौका इसलिए भी नहीं मिला है क्योंकि भारतीय टीम ने साल 2024 में सिर्फ तीन वनडे मुकाबले खेले हैं। जहां भारतीय टीम ने एक भी वनडे मैच नहीं जीता था। इसके अलावा इस लिस्ट में अफगानिस्तान और श्रीलंका के ज्यादातर खिलाड़ी इसलिए भी मौजूद हैं क्योंकि उन्होंने साल 2024 काफी वनडे मैच खेले हैं। श्रीलंका के चरित असलंका इस टीम के कप्तान बनाए हैं।

किस देश के कितने खिलाड़ी शामिल?

आईसीसी की वनडे टीम ऑफ द ईयर में श्रीलंका के चार, पाकिस्तान के तीन, अफगानिस्तान के तीन और वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को मौका मिला है। टीम में श्रीलंका के कुसल मेंडिस को विकेटकीपर की भूमिका दी गई है। वहीं तेज गेंदबाजी में पाकिस्तान का दबदबा नजर आ रहा है। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ने तेज गेंदबाजी यूनिट को संभाल रहे हैं। इस टीम 10 खिलाड़ी एशिया के हैं।

आईसीसी की वनडे टीम ऑफ द ईयर 2024

सैम अयूब, रहमानुल्लाह गुरबाज, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, शेरफेन रदरफोर्ड, अजमतुल्लाह उमरजई, वानिंदु हसरंगा, शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ, अल्लाह गजनफर

ऑस्ट्रेलिया ओपन से बाहर हुए नोवाक जोकोविच

इंजरी के कारण अलेक्जेंडर जेवेरेव को वॉकओवर मिला

मेलबर्न , 24 जनवरी 2025। नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर जेवेरेव के खिलाफ चोट के कारण मुकाबला छोड़ दिया। यह मैच पहले सेट में जोकोविच की बढ़त के साथ शुरू हुआ, लेकिन जेवरेव ने वापसी करते हुए सेट 7-6 (7-5) से जीत लिया। इसके बाद जोकोविच ने प्रतियोगिता से बाहर होने का निर्णय लिया। इससे जेवरेव 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गए, जो 26 जनवरी को खेला जाएगा।जोकोविच ने पहले कार्लोस अल्काराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पैर में चोट की शिकायत की थी, लेकिन वह मैच जीतने में सफल रहे थे, हालांकि इस दौरान उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया था, जिस पर आलोचना भी हुई थी। कई टेनिस दिग्गजों ने इसे उनकी रणनीति के रूप में देखा। खेल के बाद जोकोविच ने बताया कि अगर वह दूसरा सेट नहीं जीत पाते तो वह मैच से बाहर हो जाते।

10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच ने गुरुवार को भी चोट से बचने के लिए अपने प्रैक्टिस सेशन को छोड़ दिया था और सेमीफाइनल में अपने पैर पर टेप लगाकर पहुंचे थे। हालांकि, शुरुआत में वह मैच में हावी दिखे, लेकिन अंत में हार मान ली। दूसरी ओर, जेवरेव ने मेलबर्न पार्क में अपने पहले फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और वह अब शिखर मुकाबले में जैनिक सिनर और बेन शेल्टन के बीच विजेता से खेलेंगे।

जोकोविच के प्रतियोगिता से बाहर होने के बाद उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा। इस पर जेवरेव ने दर्शकों से आग्रह किया कि वे चोटिल खिलाड़ी का मजाक न उड़ाएं और जोकोविच की प्रतिबद्धता को सराहा। जेवरेव ने कहा कि जोकोविच ने पेट और हैमस्ट्रिंग की चोट के साथ खिताब जीते हैं। अगर वह मैच जारी नहीं रख सकते, तो इसका मतलब है कि वह सच में नहीं खेल सकते।

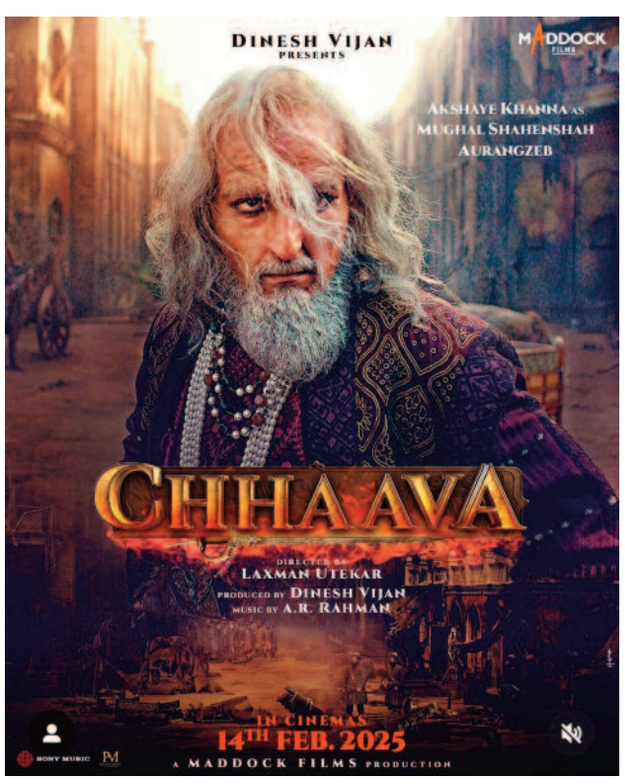

छावा से अक्षय खन्ना का खूंखार अवतार आया सामने

डर और दहशत का नया चेहरा,क्रूर मूगल शासक औरंगजेब बने एक्टर

विक्की कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा का ट्रेलर रिलीज होने वाला है. जिसके लिए फैंस पहले से ही काफी एक्साइटेड हैं। वहीं मेकर्स भी दर्शकों को एक्साइटमेंट को बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ट्रेलर रिलीज के पहले ही मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिलीज किया वहीं अब मेकर्स ने फिल्म से अक्षय खन्ना के लुक से भी पर्दा उठा दिया है। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के शानदार लुक के बाद,अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक मेकर्स ने रिवील किया जिसमें वे काफी खूंखार लग रहे हैं। अक्षय फिल्म में क्रूर मुगल शासक कहे जाने वाले औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे डर और दहशत का चेहरा बताया गया है। आगामी फिल्म छावा के मेकर्स ने अक्षय खन्ना के किरदार के नए पोस्टर शेयर किए। उन्हें मुगल शहंशाह औरंगजेब के रूप में देखा जा सकता है। एक्टर का लुक इतना शानदार है कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। पोस्टर्स रिलीज करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, डर और दहशत का नया चेहरा-मुगल साम्राज्य के क्रूर शासक मुगल शहंशाह औरंगजेब के रूप में प्रेजेंट हैं। अक्षय खन्ना. छावा का ट्रेलर कल रिलीज होगा. फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें 21 जनवरी को ही छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिवील किया गया है। जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं। रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं। विक्की कौशल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छावा का नया पोस्टर और धांसू मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की. विक्की ने कैप्शन लिखा, अग्नि भी वो,पानी भी वो,तूफान भी हो, शेर शिवा का छावा भी हो। छावा का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज हो चुका है. छावा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

मनोज तिवारी ने कोच गौतम गंभीर पर फिर लगाए आरोप

मुझे माँ बहन की गाली दी..

नई दिल्ली, 24 जनवरी 2025। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी और भारतीय टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। तिवारी ने हाल ही में गंभीर पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जो सुर्खियों का कारण बने हैं। तिवारी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि गंभीर ने उन्हें मां-बहन की गालियां दी थीं और उन्हें धमकाया था। यह विवाद लंबे समय से चल रहा है, जो आईपीएल 2013 से शुरू हुआ था, और अब एक बार फिर तिवारी ने गंभीर के खिलाफ कड़ी टिप्पणियां की हैं।तिवारी ने बताया कि उनके और गंभीर के बीच का विवाद आईपीएल के दिनों में शुरू हुआ था, जब कोलकाता नाइट राइडर्स में दोनों के बीच काफी तनाव था। तिवारी ने कहा कि उनके बैटिंग ऑर्डर को लगातार नीचे किया जा रहा था, जिससे वह परेशान थे। इसके अलावा, भारतीय टीम में उनकी जगह भी पक्की नहीं हो पा रही थी, और यही सब कुछ दोनों के बीच झगड़े का कारण बना। तिवारी ने बताया, ÷मुझे याद है कि एक मैच में, मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाइएस्ट स्कोरर था और मैंने 129 रन बनाए थे, जबकि गंभीर ने 105 रन बनाए थे। इसके बाद भी वह भड़क गए थे।÷ तिवारी ने इस विवाद को आगे बताते हुए कहा कि 2015 में जब वह रणजी मैच में खेल रहे थे, गंभीर ने उन्हें गालियां दीं। तिवारी के अनुसार, जब वह सन्सक्रीम लगा रहे थे, तो गंभीर ने उन पर भड़कते हुए कहा, क्या कर रहा है तू? जल्दी नीचे चल।÷तिवारी ने बताया कि इस घटना के बाद वह बहुत परेशान हो गए थे, और एक मैच के दौरान जब वह ईडन गार्डेन्स में थे, गंभीर ने उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। तिवारी ने कहा, ÷गंभीर ने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने अपना रवैया नहीं बदला तो मुझे कभी भी नहीं खिलाया जाएगा। वह सीनियर थे, और मैं उनका सम्मान करता था, लेकिन इस बार मैं भड़क गया। मैंने कहा, %गौती भाई, यह नहीं चलेगा%। तभी वसीम अकरम ने बीच में आकर मामले को शांत किया।÷

तिवारी ने आगे कहा कि 2015 में फिर से दोनों का सामना हुआ था, जब तिवारी हेलमेट का कुशन भूल गए थे और क्रीज पर खड़े होने तक उसका इंतजार कर रहे थे। गंभीर को लगा कि तिवारी समय बर्बाद कर रहे हैं और इस पर वह उन्हें गालियां देने लगे। तिवारी के मुताबिक, गंभीर ने उन्हें बहुत ही अभद्र भाषा में गालियां दीं और यहां तक कहा, ÷शाम को मिल, मैं तुझे मारता हूं।÷ तिवारी ने यह आरोप भी लगाया कि गंभीर ने अंपायर को भी धक्का दिया, जब वह बीच में आकर मामले को शांत करने की कोशिश कर रहे थे। तिवारी ने कहा, ÷अंपायर ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे, क्योंकि वह एक बड़ा खिलाड़ी हैं और उनके पास प्रभाव है।÷इसके बाद, तिवारी ने यह भी कहा कि अगर पीआर टीम होती, तो वह आज भारत के कप्तान होते। उनका कहना था कि नए खिलाड़ियों को मीडिया में हाइलाइट किया जाता है, और यह संभवतः वही कारण है जिससे गंभीर उनसे नाराज हो गए थे। उन्होंने कहा, ÷मेरे बैटिंग क्रम को लेकर ईडन गार्डेन्स पर भी हमारी तीखी बहस हुई थी, और गंभीर ने मुझे धमकाया था कि मुझे फिर से नहीं खिलाया जाएगा।÷ तिवारी का यह बयान काफी विवादास्पद है और क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गया है। यह विवाद दोनों के बीच के रिश्ते को और अधिक तनावपूर्ण बना रहा है, जो पहले ही विवादों से घिरा हुआ है। इस मामले सोशल मीडिया पर लोगों के अलग अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। कुछ ने लिखा - गंभीर बहुत ही घमंडी है, जबकि एक ने लिखा- मनोज को गौतम के बारे में उल्टा सीधा बोलने से सुर्ख़ियों में जगह मिलती है। तो एक और ने लिखा- जल्दी जल्दी गंभीर के बारे में कुछ बोल देता हूँ, सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो जाऊंगा। तो एक और यूजर ने लिखा - गंभीर बी लाइक - बोलने दे बोलने दे तकलीफ हुई है बेचारे को....,

44 की उम्र में नहीं थमने का नाम ले रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी और बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग अवतार से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। साथ ही हाथों में सिल्वर एसेसरीज पहनकर अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिया है।श्वेता तिवारी हमेशा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर लुक में गजब की बला नजर आती हैं।

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री बनीं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बन गई हैं. 24 जनवरी की शाम ममता संगम पर अपना पिंडदान किया. इसके बाद किन्नर अखाड़े में उनका पट्टाभिषेक हुआ. ममता ने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महाराज, जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी जय अम्बानंद गिरी के साथ मुलाकात भी की. किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी त्रिपाठी ने ममता कुलकर्णी के बारे में बात की थी. उन्होंने कहा था- पिछले 2 सालों से ममता हमारे सम्पर्क में थीं. वह सनातन से जुड़ना चाहती थीं. वह पहले जूना अखाड़े में शिष्या थीं. फिर हमारे सम्पर्क में आईं. फिर उन्होंने पद की मांग की. उन्होंने कहा कि उन्हें महामंडलेश्वर बनना है. फिर हमने बताया कि यह सब करना होता है.

संगम में ममता कुलकर्णी ने अपना पिंडदान किया. इसमें उन्होंने फूलों से सजी एक थाल में दीया रखकर उनसे गंगा में प्रवाहित किया. इसके बाद एक्ट्रेस ने उन्होंने पवित्र जल में डुबकी लगाई. मीडिया से बातचीत में ममता कुलकर्णी ने कहा- महादेव, मां काली और मेरे गुरु का ये आदेश था. ये सब उन्होंने डिसाइड किया था. आज का दिन भी उन्होंने डिसाइड किया था. मैंने कुछ नहीं किया है. ममता कुलकर्णी को नया नाम दे दिया गया है. उनका नाम श्री यामिनी ममता नन्द गिरी घोषित किया गया है. ममता कुलकर्णी की चोटी काटी जाएगी. फिर पिंडदान होगा. जैसे किन्नर अखाड़े का कानून होता है वैसे ही यहां भी होगा.

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

हाईकोर्ट ने कहा-अब सरकारी नौकरी वाले भी दे सकेंगे सिविल जज की परीक्षा

बिलासपुर,24 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, कोर्ट ने कहा है कि ऐसे उम्मीदवार, जो सरकारी सेवा में कार्यरत हैं और बार काउंसिल में नामांकित नहीं हैं, वे भी सिविल जज परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। कोर्ट ने आदेशित किया है कि एक उम्मीदवार जो विधि स्नातक है, चाहे वह अधिवक्ता के रूप में नामांकित हो या नहीं, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा क्योंकि उसे भी उसी जांच से गुजरना होगा,जिससे दूसरे उम्मीदवार को गुजरना होगा, जो अधिवक्ता के रूप में नामांकित है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग आवेदन की अंतिम तिथि 24 जनवरी 2025 से एक महीने के लिए बढ़ाया जाए।

टीआई मांग रहा 2 लाख रुपये रिश्वत,विधायक से शिकायत

कांकेर,24 जनवरी 2025(ए)। जिले की पुलिस पर रिश्वत का आरोप लगा है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि रिटायर्ड टीआई ने लगाया है। रिटायर्ड टीआई ने बताया कि पूरा मामला पैसों को लेकर है।

रिटायर्ड टीआई ने शराब के ठेके के लिए रायपुर के किसी व्यक्ति को 56 लाख रुपये की राशि दी थी। ठेका तो नहीं मिला लेकिन उक्त व्यक्ति पैसा वापस नहीं कर रहा है। इस मामले को लेकर रिटायर्ड टीआई और बेटे ने थाना में शिकायत की। मामले में बयान लेने बुलाने के बाद रिटायर्ड टीआई के बेटे से 2 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई। टीआई ने इस मामले की जानकारी फोन से कांकेर विधायक को भी दी।

राम वन गमन पथ की जांच के लिए विधायक अजय चंद्राकर की अध्यक्षता में समिति गठित

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। कांग्रेस सरकार के दौरान हुए राम वन गमन पथ के निर्माण कार्यों में अनियमितता की जांच के लिए सरकार ने बीजेपी के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर की अध्यक्षता में सात सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है।

पटवारियों की डिजिटल हड़ताल खत्म

काम पर लौटे प्रदेशभर के पटवारी, मंत्री का बयान आया सामने

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। प्रदेशभर में पिछले 1 महीने से चल रही पटवारियों की डिजिटल हड़ताल आज समाप्त हो गई है। आदर्श आचार संहिता और आम जनता के कामों को ध्यान में रखते हुए पटवारियों ने हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया है। अब सभी पटवारी अपने काम पर लौट चुके हैं और ऑनलाइन कार्य फिर से शुरू कर दिए गए हैं।

बीयर पार्टी के बाद छात्र की हत्या

लापता था जनवरी से

कोरबा,24 जनवरी 2025(ए)। घर से कुछ किलोमीटर दूर नाले के पास कक्षा सातवीं के छात्र की लाश पेड़ पर लटकी मिली है। इसकी सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई है। मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना स्थल से बीयर की बोतल, पानी पाउच और चाकू बरामद किया गया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, मृतक 14 वर्षीय अनुराग श्रीवास कल शाम से घर से लापता था। परिजनों ने इसकी सूचना मानिकपुर चौकी पुलिस को दी थी। सुबह घर से कुछ दूरी पर अनुराग की लाश पेड़ पर लटकी मिली। लोगों की नजर पड़ने पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि मृतक कल से लापता था। परिजन खोजबीन कर रहे थे। जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट को मौके पर बुलाया गया है। घटना स्थल से बीयर की बोतल और पानी पाउच मिले हैं। वहीं कुछ ही दूरी पर एक चाकू बरामद किया गया है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय हुआ भ्रष्टाचार का शिकार

» कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय का ऑडिटोरियम खंडहर में तब्दील...

» 7 करोड़ की लागत से बना भवन उद्घाटन से पहले ही हुआ जर्जर...

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय का निर्माणाधीन ऑडिटोरियम वाकई में ऑडिटोरियम है या भ्रष्टाचार की इमारत, इसका अंदाजा निर्माणाधीन भवन की दीवार की तस्वीर देखकर ही लगाया जा सकता है। यह ऑडिटोरियम करोड़ों की लागत से बनाया गया है हालांकि अभी तक इस नवनिर्माण बिल्डिंग का उद्घाटन भी नहीं हुआ है और इस तरह से यहां बड़े स्तर पर किये गए भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है।.

विश्वविद्यालय परिसर के अंदर बबूल, बेर,अन्य कांटेदार वृक्षों और बेलों के पीछे दिख रहा विशाल भवन कोई खंडहर नहीं है। इसे देखने से ऐसा लगता है, मानो यह दशकों पुराना हो. लेकिन इसकी हकीकत कुछ और है. पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रबंधन के मुताबिक यह ऑडिटोरियम अभी निर्माणाधीन है। चौंकाने वाली बात यह है कि जब यह निर्माणाधीन है, तो गिरने की अवस्था में कैसे पहुंच गया? विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पीछे बने ऑडिटोरियम की दीवार है, जो उद्घाटन होने के पहले ही दरक गई है. निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में अभी से दीवार में आई दरार, बीम में आई दरार और इंटीरियर डिज़ाइन के गिरने से कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

7 करोड़ का हुआ बंदरबांट ?

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में रूसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) ने सात करोड़ की लागत से ऑडिटोरियम बनाया है। ये सोचने वाली बात ये है कि जिस उद्देश्य से ऑडिटोरियम बनाया गया है। ऑडिटोरियम बनने के 7 साल बाद भी इसमें एक भी कार्यक्रम में नहीं हुआ है। जिस हालात में अभी टूरिज़्म है कुछ दिन ऐसा ही रहा तो जमींदोज होने में देर नहीं लगेगी।

हैंडओवर का पेंच

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान कार्यालय के मुताबिक 2018 में यहां ऑडिटोरियम में बनकर तैयार हो गया है। हैंडओवर देने के लिए उसको पत्रकारिता विश्वविद्यालय को पत्र जारी किया जा चुका है. लेकिन विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कुशाभाऊ पत्रकारिता विश्वविद्यालय को मिला था लेकिन हमने हैंडओवर नहीं लिया है क्योंकि इंटरनल कार्य ऑडिटोरियम में बाक़ी है जो पीडब्लूडी करेगा. इसलिए हैंडओवर नहीं लिया गया है।

जांच का आश्वासन

रूसा के संचालक जगदीश सोनकर ने कहा चूंकि अभी मै रूसा ज्वाइन किया है, पूरा क्या मामला मामला पता करता हूं, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से बात कर तत्काल इसमें जांच करवाता हूं तब पता चलेगा पूरा क्या मामला है.।

कटघरे में फंसा और पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रबंधन ?

- अब सवाल यह उठता है कि जब आडिटोरियम की आवश्यकता नहीं थी तो क्यों बनाया गया ?
- 7 करोड़ों की बंदरबांट की जांच क्यों नहीं हुई ?
- पत्रकारिता विश्वविद्यालय में बने ऑडिटोरियम खंडहर में तब्दील हो रहा फिर भी प्रबंधन मौन क्यों ?
- कार्रवाई की मांग करने की जगह मरम्मत राशि मांगने के पीछे का कारण क्या ?
- जब काम अधूरा था तो पीडब्लूडी, रूसा और विश्वविद्यालय प्रबंधन पिछले सात सालों से चुप्पी क्यों साधे रहे ?

गायब हुए जिम्मेदार

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में बने ऑडिटोरियम खंडहर में तब्दील हो क्यों हो रहा है ये जानने के लिए कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति बलदेव भाई शर्मा से जवाब लेने आए तो वो कार्यालय से नदारद थे। उनके कार्यालय में ताला जड़ा हुआ था, जब उनसे संपर्क करने कॉल किया गया तो उन्होंने कॉल का कोई रिप्लाई नहीं दिया।

कांग्रेस के लिए खड़ी हुई नई मुसीबत

प्रमोद दुबे के इलाके से चुनाव लड़ना चाहते है एजाज ढेबर

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है। प्रत्याशियों को लेकर पार्टियों में मंथन का दौर चल रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी नेता लगातार बैठकें कर रहे हैं। इसी बीच अब कांग्रेस के खेमे से एक बड़ी खबर सामने आई है। रायपुर के वर्तमान महापौर एजाज ढेबर अब भगवती चरण शुक्ल वार्ड से चुनाव लड़ेंगे। भगवतीचरण शुक्ल वार्ड से सिंगल नाम पीसीसी को भेजा गया है। अब तक यहां से प्रमोद दुबे चुनाव लड़ रहे थे। वहीं ढेबर धर्मपत्नी अंजुमन ढेबर का नाम बैजनाथपारा में पैनल में फंस गया है। बीजेपी में भी यही स्थिति मेयर प्रत्याशी चयन के लिए भाजपा की बैठक से एक खबर बाहर निकलकर सामने आई है। इसके मुताबिक पार्टी के प्रदेश एक महामंत्री ने पड़ोस के निगम के महापौर के लिए अपना और अपने भाई का नाम पैनल में दिया है। इससे पहले पार्टी ने क्राइटीरिया तय किया था कि जिला और मंडल अध्यक्ष को निकाय पंचायत चुनाव में टिकिट नहीं देगी। जबकि ये प्रदेश महामंत्री हैं। पहली बार प्रदेश अध्यक्ष की टीम में शामिल किए गए हैं । आज की बैठक लिए राष्ट्रीय. सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रभारी नितिन नवीन की अध्यक्षता में होनी है।

एनआरडीए जमीन आवंटन मामले में आईएएस ने कोर्ट में मांगी माफी

कहा नहीं समझ आया था आदेश

बिलासपुर,24 जनवरी 2025(ए)। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जमीन आवंटन में की गई कार्रवाई को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने आदेशों का उल्लंघन करने और लंबित याचिका के बावजूद जमीन आवंटित करने पर अलॉटमेंट कमेटी के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र 24 फरवरी से होगा शुरू

कुल 17 बैठकें होंगी, अधिसूचना जारी...

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा और 21 मार्च तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने इस सत्र की अधिसूचना जारी कर दी है। बजट सत्र के दौरान कुल 17 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें राज्य के विकास और विभिन्न विभागीय योजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

आईजी दीपक झा करेंगे रिसोर्ट में आईपीएस और कारोबारी के बीच बवाल की जांच

शराब के नशे में हुआ था हंगामा!...

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ के कवर्धा जिले में भोरमदेव के पास स्थित लग्जरी रिसोर्ट में आईपीएस अधिकारियों और रायपुर के एक रसूखदार बिजनेसमैन के बीच हुआ विवाद और झूमाझटकी का मामला अब गरमाने लगा है। गृह मंत्री का जिला होने की वजह से पुलिस मुख्यालय ने राजनांदगांव पुलिस रेंज के आईजी दीपक झा से जांच कर इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।पुलिस मुख्यालय के सीनियर आईपीएस ने बताया कि गृह मंत्री का जिला होने के साथ ही मामला आईपीएस अधिकारियों से जुड़ा है, इसलिए वास्तविकता को सामने लाने जांच जरूरी था। पीएचक्यू के अफसरों ने है कि ऐसी घटनाओं से पुलिस की छबि पर प्रभाव पड़ता है।

बताते हैं, पुलिस मुख्यालय का संदेश मिलने के बाद राजनांदगांव के आईजी दीपक झा ने रिसोर्ट हंगामे की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस मुख्यालय ने उनसे रिपोर्ट मांगी है कि क्या दोनों पक्ष शराब के नशे में थे? आईपीएस और कारोबारी में विवाद किस बात को लेकर हुई? और अगर इस तरह की घटना हुई तो एफआईआर दर्ज क्यों नहीं कराया गया? आरोपी पक्ष के खिलाफ बिना कोई कार्रवाई किए थाने से क्यों छोड़ दिया गया? कवर्धा एसपी की वहां उपस्थिति क्यों और कैसे थी?पता चला है, आईजी की जांच में कई चौंकाने वाली जानकारियां मिली है। जल्द ही वे पुलिस मुख्यालय को अपनी रिपोर्ट भेज देंगे। इसके बाद पीएचक्यू तय करेगा कि इस मामले में क्या कार्रवाई की जाए।

शिक्षकों की छुट्टियां हुई निरस्त

रायपुर,24 जनवरी 2025(ए)। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की वजह से प्रदेश में शिक्षकों की छुट्टिया निरस्त कर दी गई हैं। महीने पहले से वैकृति अवकाश को भी रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में डीपीआई से मिले निर्देश के आधार पर जिला और ब्लॉक स्तर पर निर्देश जारी कर दिया गया है। अफसरों के अनुसार 20 जनवरी को चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा और आचार संहिता लगने के साथ ही शिक्षकों के अवकाश निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)